



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिपक्षर से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 30, 1995/अश्विन 8, 1917

No. 39]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 30, 1995/ASVINA 8, 1917

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कर्माचार कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक खंड)

सूचना

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1995

का. आ. 2594.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के
अनुसरण में मक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है
कि श्री कपिल देव पाण्डे, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को
उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के
लिए दिया है कि उसे साकिनका बम्बई (महाराष्ट्र) में
व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी
भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के तौदह दिन
के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (167)/95 - न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, मक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 7th September, 1995

S.O. 2594.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Kapil Deo Pandey, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sakinaka in Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (167)/95-Iudl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1995

का. आ. 2595.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जसवंत सिंह ठल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला न्यायालय कैथल, जिला कैथल हरियाणा व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (166)/95-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 7th September, 1995

S.O. 2595.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Jaswant Singh Dhull, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Courts Kaithal, Distt. Kaithal (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (166)/95-Judl]

P. C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत, तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1995

का. आ. 2596.—केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 के अधिनियम 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री एन. एस. माथुर अधिवक्ता को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के नियमित प्रकरण संख्या - 3/83 सी. आई. यू. (पी) सरकार बनाम लेफ्टीनेन्ट कर्नल एस. जे. चौधरी जो कृष्ण सिकन्द पुत्र श्री एच. डी. सिकन्द की हत्या से संबंधित है, सत्र न्यायालय दिल्ली तथा अपील न्यायालय दिल्ली में अभियोजन के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या - 225/35/95-ए. वी. डी.-II]

एस. सौन्दर राजन, अपर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 29th August, 1995

S.O. 2596.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Sh. N. S. Mathur Advocate, as Special Public Prosecutor, for conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 3/83-CIU (P) State versus Lt. Col. S. J. Choudhary relating to the murder of Krishan Sikand son of Sh. H. D. Sikand at New Delhi in the court

of Sessions, Delhi and the appellate/revisonal Courts at Delhi.

[No. 225/35/95-AVD II]

S. SOUNDAR RAJAN, Under Secy.

विस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

[आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय]

कलकत्ता, 10 जुलाई, 1995

आयकर

का. आ. 2597.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के स्वरूप के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा,

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महारौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमच किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-गोपनीय आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मैसर्स वाला मंदिर रिसर्च फौंडेशन,

नं. 126, जी. एन. मेट्टी रोड, टी. नगर,

मद्रास - 17.

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-95 से 31-2-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझा दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन

पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।
[संख्या : 1406/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/कल/टी. एन.-29/35 (1) (ii)]
आर. सिंह, उप निदेशक आयकर

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
Calcutta, the 10th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2597.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

M/s. Bala Mandir Research Foundation,
No. 126, G. N. Chetty Road,
T. Nagar, Madras-17.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes:

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1406/F. No. DG/IT(E)/Cal/TN-29/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 10 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2598.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के

लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा—परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

के.सी.पी. निफरो उरोलोजिकल, सेक्टर
एण्ड रिसर्च फोडेशन पीन्नामीनी पोलिक्लिनिक
60-9-10, सिद्धार्थन नगर,
विजवाड़ा-520010.

संगठन का नाम

यह अधिमूचना दिनांक 9-6-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1407/एफ.स. म. नि./आ. क. (छूट)/कल./
ए. पी.-22/35(i) (ii)]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 10th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2598.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

KCP Nephro-Urological Centre and Research Foundation,
Pinnameti Polyclinic 60-9-10, Siddarthan Nagar,
Vijayawada-520010

This Notification is effective for the period from 9-6-95 to 31-3-97.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1407/F. No. DG/IT(E)/Cal/AP-22[35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 10 जुलाई, 1995

आय कर

का.आ. 2599.—सर्वसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "मस्थान" के वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा,

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन', न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेश (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेन् किया

गता संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एल. पी. जी. इक्वीपमेंट रिसर्च सेंटर,
ओपोजिट इंडियन ऑयल, एल. पी. जी. बोटलिंग प्लांट,
वाइटफिल्ड रोड,
दूरभाषी नगर पोस्ट, बंगलूर-560016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा वर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिलिपि सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1408/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/क. टी. -
46/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 10th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2599.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

LPG Equipment Research Centre,
Opposite Indian Oil, LPG bottling Plant,
Whitefield Road, Doorayannagar Post,
Bangalore-560016.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1408/F. No. DG/IT(E)/KT-46/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 10 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2600.—सर्वसाधारण के एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संरंग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016" को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्क् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फ्री पोलियो सर्जिकल एण्ड रिसर्च फौण्डेशन,
15-3-17 चांदनी महारानीपोटा,
विशाखापत्तनम-530002.

यह अधिसूचना दिनांक 9-6-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में

संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतिलिपि सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1409/एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/कल./
ए. पी.-24/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 10th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2600.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year : and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Free Polio Surgical & Research Foundation.
15-3-17, Chandini Maharani-peta.
Visakhapatnam-530002.

This Notification is effective for the period from 9-6-95 to 31-3-97.

Notes :

(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1409/F. No. DG/IT(E)/Cal/AP-24/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2601.—सर्वसाधारण के एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड

(ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "एसोसियेशन (संघ)" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है —

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया,
15, हाजी अली पार्क,
बम्बे-400034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-82 से 31-3-85 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सूचना 1410/एफ. सं. म. नि. आ. क. (छूट)/कल./एम-165/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2601.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Computer Society of India,
15, Hazi Ali Park,
Bombay-400034.

This Notification is effective for the period from 1-4-82 to 31-3-85.

Notes:

(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1410/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-165/35 (1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2602.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-1100 16 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया

गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया,

15, हाजी अली पार्क,

बम्बई-400034.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-85 से 31-3-88 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1411/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/कल./एम-165/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2602.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Computer Society of India,
15, Hazi Ali Park,
Bombay-400034.

This Notification is effective for the period from 1-4-85 to 31-3-88.

Notes:

- Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1411/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-165/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2603.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संव' के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमूव किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया,

15, हाजी अली पार्क, बम्बई-400034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-88 से 31-3-90 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) 'संव' जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के

संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां
विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1412/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/कल/एम-
165/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2603.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Computer Society of India,
15, Hazi Ali Park,
Bombay-400034.

This Notification is effective for the period from 1-4-88 to 31-3-90.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1412/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-165/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2604 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षण वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षण आय-व्यय हिमात्र को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया,

15, हाजी अली पार्क,

बम्बई-400034.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1413/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) कल/एम-165/
35 (1)(ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2604.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax

(Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Computer Society of India,
15, Hazi Ali Park,
Bombay-400034.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1413/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-165/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का आ. 2605:—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड-11 के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

2274 GI/95—2.

संगठन का नाम

कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया,
15, हाजी अली पार्क,
बम्बई-400034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 10-6-91 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1)—“संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र की छः प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1414एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट) कल./एम. 165/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक,

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2605.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technological Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ? and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Computer Society of India,
15, Hazi Ali Park,
Bombay-400034.

This Notification is effective for the period from 1-4-90 to 10-6-91.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1414/F. No. DG/IT(E)/Cal[M-165]35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

का.आ. 2606 :—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब का भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन, मेडिकल साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन, अजय सेतमन, मलेरिया रोड, राजकोट-300002.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र की छः प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1415 (एफ. स. म. नि. / आ. क. (छूट) / कल. / जी-50 35/(1)/ii]

आर. सिंह, उप निदेशक,

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2606.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Medical Scientific Research Foundation,
Ajoy Mansion, Malariya Road,
Rajkot-300002.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1415/F. No. DG/IT(E)/Cal[G-50]35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2607.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (II) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड" नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डियन सोसायटी ऑफ बायो साइंस एंड एनविरॉन्मेंट,
117/के./136, गीता नगर, काकादेव,
कानपुर

यह अधिसूचना दिनांक 28-10-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1)---"गघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को भीत प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र की छः प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग से प्रस्तुत करना है।

[गफा. 1416 (फ.स. म.नि./आ.क. (छूट)/कल./]
90-91 य.पी. 26/35 (i) (ii)
आय. मिह, उप निदेशक (छूट) कल.

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2607.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Society of Bio-Science & Environment,
117/K/136, Geeta Nagar, Kakadeo, Kanpur.

This Notification is effective for the period from 28-10-93 to-31-3-95.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1416/F. No. DG/IT(E)/Cal/UP-26/35(1)(ii)/90-91]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2608.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व

औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन
“न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को
भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा परी-
क्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा-
निदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा
औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर
आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके
क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी
गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में
लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत
करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन सोसाइटी ऑफ बायो साइंस एण्ड इनफेरोमेंट,
117/के. 136, गीता नगर,
काकादेव, कानपुर

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संव” जैसा संवर्ग के
लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-
मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा-
धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को
तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की
अवधि बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र
की छः प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक
अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1417 (एफ.स.म.नि./आ.क (छूट)/
कल./यू.पी.-26/35 (i)/(ii) 90-91]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2608.—It is hereby notified for general information
that the organisation mentioned below has been approved
by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income
Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1)
of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the
category “Institution” subject to the following conditions—

- The organisation will maintain separate books of
accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific
research activities to the Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, Technology
Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016
for every financial year by 31st May of each
year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income
Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, and (c) Commis-
sioner of Income Tax/Director of Income Tax

(Exemptions), having jurisdiction over the organi-
sation, by the 31st October each year, a copy of
its audited Annual Accounts and also a copy of
audited Income & Expenditure Account in respect
of its research activities for which exemption was
granted under sub-section (1) of section 35 of
Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Society of Bio Science & Environment,

117/K/136, Geeta Nagar, Kakadeo, Kanpur.

This Notification is effective for the period from 1-4-95
to 31-3-98.

Notes :

- Condition (1) above will not apply to organisations
categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and
well in advance for further extension of the approval,
to the Director General of Income Tax (Exemptions),
Calcutta through the Commissioner of Income-tax/
Director of Income Tax (Exemptions) having juris-
diction over the organisation. Six copies of the appli-
cation for extension of approval should be sent
directly to the Secretary, Department of Scientific &
Industrial Research.

[No. 1417/F. No. DG/IT(E)/Cal[UP-26]35(1)(ii)90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2609:— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित
किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के
लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी
द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संवर्ग के अधीन
अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा
बहियां रखेगा।

- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का
एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए
प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व
औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन,
न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को
भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा परीक्षित
वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक
(छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक
अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/
आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार
में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च
किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित
आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्ट्र फॉर पॉलिसी स्टडीज मद्रास,
डी. 23 बेव्यू अपार्टमेंट्स,
कलाकसितरा कालोनी बसन्त नगर,
मद्रास-600090

यह अधिसूचना दिनांक 28-6-95 से 31-3-97 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए
लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-
मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा-
धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को
तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि
बढ़ाने के संबंध में आवेदन पत्र की छः प्रतियां,
सचिव, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1418 (एफ.स.म.नि./आ.क. (छूट)/
कल./टी.एन. 70/35 (1) (iii) 90-91]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2609.—It is hereby notified for general information
that the organisation mentioned below has been approved
by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income
Tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1)
of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the
category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of
accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific
research activities to the Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, 'Technology
Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016
for every financial year by 31st May of each
year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income
Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, and (c) Commis-
sioner of Income Tax/Director of Income Tax
(Exemptions), having jurisdiction over the organi-
sation, by the 31st October each year, a copy of
its audited Annual Accounts and also a copy of
audited Income & Expenditure Account in respect
of its research activities for which exemption was
granted under sub-section (1) of section 35 of
Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Policy Studies, Madras,
D-23, Bayview Apartments, Kalakshetra Colony,
Besantnagar, Madras-600090.

This Notification is effective for the period from 28-6-95
to 31-3-97

Notes:

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations
categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and
well in advance for further extension of the approval,
to the Director General of Income Tax (Exemptions),
Calcutta through the Commissioner of Income tax/
Director of Income Tax (Exemptions) having juris-
diction over the organisation. Six copies of the appli-
cation for extension of approval should be sent
directly to the Secretary, Department of Scientific &
Industrial Research.

[No. 1418/F. No. DG/IT(E) Cal/TN-70/35(1)(iii)90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2610:— सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया
जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम,
नियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड
(ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित
प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग
के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा
बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का
एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए,
प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक
व प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन
"न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को
भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परी-
क्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा-
निदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा
प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर
आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके
क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी
गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में
लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत
करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन अकादमी ऑफ साइंस,
सी.बी. रमण एवेन्यू,
सदा शिव नगर,
बैंगलोर-560080

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-1998 तक
की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए
लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-
मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर

आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र की छः प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1419 (एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/के.टी.-23/35 (1)(ii)/90-91]

आर. सिंह, उप निदेशक, आयकर

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2610.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Academy of Science,
C. V. Raman Avenue,
Sadashivanagar, Bangalore-560080.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1419/F. No. DG/IT(E)/KT-23/35(1)(ii)/90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2611:— सर्वसाधारण की सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड

(ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "सी" के संघों के अर्धीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग-अलग बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016" को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा-निदेशक (छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महा-निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब का भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जवाहर लाल नेहरू सेंट्रल फॉर अडवांस्ड माथेटिकल रिसर्च (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस कैम्पस),
बैंगलोर-560012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा अर्थ के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाई दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महा-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र की छः प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1420 (एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/कल./के.टी.-30/35 (1)(ii)/90-91]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2611.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research, (Indian Instt. of Science Campus), Bangalore-560012.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1420 (F. No. DG(IT&E)/Cal/KT-30/35(1)(ii)/90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 जुलाई, 1995

आयकर

का. आ. 2612.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है —

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अवशय लेखा वृत्तियाँ रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन," न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-1100 16 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिचर्च किया

गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब का भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोशल पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट,

5-डी; झालाना इंस्टीट्यूशनल एरिया,

जायपुर-302004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1421 (एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट)/कल./आर-2/35(1)(iii)]

आर. सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 14th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2612.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Social Policy Research Institute 5-D, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1421 (F. No. DG/IT(E)/Cal/R-2/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2613.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-1100 16 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-उपय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री राम साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च फा उण्डेशन,
संस्कृत भवन, रानी झंसी रोड,
नयी दिल्ली-110055

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग 6 लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि

बढ़ाने के संबंध में आवेदन-पत्र की छः प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1422 एफ. सं. म.नि./आ. क. (छूट)/कल./एन.
डी-87/35(1) (ii)]

आर. सिंह, उप निदेशक

INCOME TAX

Calcutta, the 27th July, 1995

S.O. 2613.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shri Ram Scientific and Industrial Research Foundation,
Sanskrit Bhavan, Rani Jhansi Road, New Delhi-110055.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes : 1. Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1422 (F. No. DG/IT(E)/Cal/ND-87/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2614.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान-संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-1100 16 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अकादमी ऑफ़ संस्कृत रिसर्च,
मेलकोटे-571431, मन्द्या डिस्ट,
कर्नाटक.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संवध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1423 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/कल. के. डी.-45/35 (1) (iii)]

आर. सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 27th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2614.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year: and.

2274 GI/95—3.

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Academy of Sanskrit Research, Melkote-571431, Mandya Dist. Karnataka.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1423 (F. No. DG/IT(E)/Cal/KT-45/35(1)(iii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 जुलाई, 1995

आयकर

का.आ. 2615.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-1100 16 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जनाना प्रबोधनी समशोधन संस्था,
510, सदाशिव पेठ,
पूना-411030

to sent directly to the Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research

[No. 1424 (F. No. DG/IT(E)/Cal/M-71/35(1)(iii)]
R SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 जुलाई, 1995

प्राय-कर

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए
लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-
मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके
क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन
प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि
बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः
प्रतियां वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1424 एफ. सं. म.नि./प्रा.क. (छूट)/कल/एम
71/35(1)(iii)]

आर. सिंह, उप-निदेशक

Calcutta, the 27th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2615.—It is hereby notified for general information
that the organisation mentioned below has been approved by
the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax
Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of
section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category
"Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of
accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific
research activities to the Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, 'Technology
Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016
for every financial year by 31st May of each year;
and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-
tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, and (c) Commis-
sioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions),
having jurisdiction over the organisation, by
the 31st October each year, a copy of its audited
Annual Accounts and also a copy of audited Income
and Expenditure Account in respect of its research
activities for which exemption was granted under
sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act,
1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jnana Prabodhini Samshodhan Sanstha, 510 Sadashiv
Peth, Pune-411030.

This Notification is effective for the period from
1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations
categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and
well in advance for further extension of the
approval to the Director General of Income-tax
(Exemptions), Calcutta through the Commissioner
of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions)
having jurisdiction over the organisation. Six copies
of the application for extension of approval should

का.प्रा. 2616.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित
किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम,
1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के
लिये प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित
प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के
अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां
रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का
एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक
वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान
विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-
110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-
परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा-
निदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक
अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महा-
निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता
है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में
दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा
परीक्षित प्राय-व्यय हिमात्र को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

प्रायः कारपोरेट रिमर्च एण्ड एक्वेनपोइमेंट मेंटर, पोस्ट ब्रान्च
नं. 68, पटियाला-147001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक
की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये
लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रा-
धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन
प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि
बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की
छः प्रतियां वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1425/एफ. सं. म.नि./प्रा.क. (छूट)/
कल पी. 1/35(1)(ii)]

आर. सिंह, उप-निदेशक

Calcutta, the 27th July, 1995

INCOME TAX

S.O. 2616.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Thapar Corporate Research & Development Centre, Post Box No. 68, Patiala-147001.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1425 (F. No. DG/IT(E)/Cal/P-1/35(1)(ii)]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 7 अगस्त, 1995

आयकर

का.प्रा. 2617.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा—परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर मन्निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई दिनांक दिया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विवरण को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडो फेब सेन्टर फॉर पी प्रोमोवा

आफ़ प्रोमोवा रिसेच,

13, ओल्ड पालम मार्ग,

नयी दिल्ली-110057

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1426 (एफ. स. म. नि./मा. क. (छूट) एन. डी.-110/35 (1)(ii)/93)]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 7th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2617.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indo French Centre for the Promotion of Advance Research (IFCPAR), 13, Old Palam Marg., New Delhi-110057.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1426 (F. No. DG/IT(E)/ND-110/35(1)(ii)/93]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 7 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2618.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" के संवर्ग के अधीन अनु-मोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सर हरकिशन दास नूरोत्तम दास
मेडिकल रिसर्च सोसाइटी,
राजा राम मोहन राय रोड,
खाम्बे-400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1427 (एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट)/कल./एम. 25/35(1)(ii)/89]

आर. सिन्घ, उप निबंधक

Calcutta, the 7th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2618.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sir Hurkisondas Nurrotumdas Medical Research Society, Raja Rammohan Roy Road, Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1427 (F. No. DG/IT(E)/M-25/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 7 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2619.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि सोसाइटी फार रिसर्च ओन
हेमाटोलोजी एण्ड ब्लड ट्रांसफ्यूजन,
75/सी, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-700016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की छ: प्रति वैज्ञानिक और अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1428 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/डब्ल्यू बी 13/35 (1) (ii)/89)]

आर. सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 7th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2619.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax

Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Society for Research Hematology & Blood, Transfusion, 75/C, Park St., Calcutta-700 016.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1428 (F No. DG/IT(E)/WB-13/35(1)(ii)/89)]

R. SINGH, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 14 अगस्त, 1995

का.आ. 2620.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक

(छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्व किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डाल्मिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च,
पो. बा. नं. 2, राज गंगपुर-770017,
जिला सुन्दरगढ़, उड़ीसा।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा स्वर्ण के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की छः प्रति वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान की विभाग को प्रस्तुत करना

[संख्या 1429 एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) कल./ओ. 1/
(1) 35(ii)/89]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 14th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2620.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dalmia Institute of Scientific & Industrial Research, Post Box No. 2, Rajgangpur-770017, Dist. Sundargarh, (Orissa)

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1429 (F. No. DG/IT(E)/O-1/35(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 14 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2621.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के स्वर्ण के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्व किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वर्ल्ड वाईड फण्ड फॉर नेचर,
पो. बा. नं. 6042 मार्फत गोदरेज एण्ड वायस एमएफजी
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,
बम्बई-400012।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा स्वर्ण के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से

ये आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. : 1430/एफ.सं.म.नि./आ. क. (छूट) कल./एम.-
12/35 (i)(ii)/89]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 17th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2621.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technological Bhawan', New Hehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

World Wide Fund for Nature, Post Box No. 6042, C/o. Godrej & Boyce Mfg., Co. Pvt. Ltd., Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1430/F. No. DG/IT(E)/M-12/35(1)(ii)/89]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 17 अगस्त, 1995

आयकर

का. आ. 2622.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा रखेगा ;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डी. के. आर. कमा, ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट,
136, बम्बे समाचार मार्ग पोर्ट,
बम्बे-400023

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

1. उपर्युक्त शर्त (1) "सब" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1431 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट),
कल./एन. 89/(35)/(iii)/90]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 17th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2622.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The K. R. Cama Oriental Institute, 136, Bombay Samar Char Marg, Fort, Bombay-400023.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1431/P. No. DG/IT(E)/M-89/35(1)(iii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1995

आयकर

का. भा. 2623 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियाँ रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन', न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षण वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमून् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षण आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीट्यूट आफ पीरटीसाइड,

फॉर्मूलेशन टेक्नोलॉजी,

सेक्टर 20, उद्योग विहार,

गुरुगांव-122016, हरियाणा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियाँ विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1432/एफ. स. म. नि./आ. क./ (छूट)/
एन डी. 107/35 (ii)/92]

भार. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 24th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2623.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Pesticides Formulation Technology, Sector 20, Udyog Vihar, Gurgaon-122016. Haryana.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

R. SINGH, Dy. Director

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 24 अगस्त, 1995

आयकर

का. आ. 2624.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों 'संघ' के संवर्ग के अधीन पर अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डाबर रिसर्च फाउंडेशन,
8/3, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-110002.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2274 GI/95—4.

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1433 /एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/
कल. /एन. डी. 84/35(i) (ii)/90]

आर सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2624.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dabur Research Foundation, 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1433/F. No. DG/IE(E)/ND-84/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2625 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड

(ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा,
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्स किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमात्र को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कपमैगैमेन्टल प्रोटेक्शन रिसर्च फाउंडेशन,
"अरुणघोषी" नीयर एम.एस.ई.बी.,
बिमराम बाग, मंगली-416415

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1434/एफ.सं.म.नि./आ. क. (छूट)कल./एम. 70/35

(i)(ii)/89]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 25th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2625.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Environmental Protection Research Foundation, 'Arund-hate' Near M.S.E.B., Vishrambag, Sangli-416415 (M.S.).

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : 1. Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1434/F. No. DG/IT(E)/M-70/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2626 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा.
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा

35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कारेंट साइन्स एसोसिएशन

पी.बी.-8001, सी.बी.आर, एबैन्य,

सदा शिव नगर,

पोस्ट--बंगलूर-560080.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1 उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को गुप्तत्व दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं० 1435/एफ.सं.म.नि./आ.क.(छूट)के.टी. 27/35(ii)/90]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 25th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2626.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Current Science Association, C.V. Raman Avenue,
PB No 8001, Sada-shivnagar Post, Bangalore-560080.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1435/F. No. DG/IT(F)/KT-27/35(i)(ii)90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2627 --सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संघ' के संवर्ग के अधीन अनुमोदन किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा,
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) अपर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बी.ए.आई.एफ. डिमॉन्स्ट्रेशन,
रिसर्च फाउंडेशन उम्मीदी कंजन्,
काली हवेली, पूना-412202.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को गुप्तत्व दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर

आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं० 1436 एफ सं० म.नि./आ.क(छूट)एम 57/35
(ii)/82]

भार. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 25th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2627.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

BAIF Development Research Foundation 'Kamdhenu, Senapati Bapat Road, Pune-411016.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1436/F. No. DG/IT(E)/M-57/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2628.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्रावि-

कारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखाबहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेख-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एन. एम. वादीया चैरिटेबल

होस्पिटल दादा साहेल गायकवाड रोड,

सोलापुरब 41300.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संठ" जैसे संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1437 एफ. सं. म.नि./आ. क. (छूट)/एम. 128/
35(i)(ii)/90]

भार. सिंह, उपनिदेशक आयकर

Calcutta, the 25th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2628.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific-research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology

Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

N. M. Wadia, Charitable Hospital, Dadasaheb Baikwad Road, Solapur-413001.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemption) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 1437/F No. DG/IT(E)/M-128/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2629.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर निरम के निरम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसेन् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल एकाडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस,
एवेन्यू-II, आई.ए.आर.आई.
नई दिल्ली-110012

यह अधिसूचना दिनांक 31-1-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1438 (एफ सं म. नि./आ.क. (छूट)
एन.डी.-131/35(i)(ii)/95]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 25th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2629.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Academy of Agricultural Sciences, Avenue-II, IARI, New Delhi-110012.

This Notification is effective for the period from 31-1-95 to 31-3-97.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions) Calcutta through the Commissioner

of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1439/F. No. DG/IT(E)/G-6/35(1)(iii)/95]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 25 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2630.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन "न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-1100 16 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्व किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंस्टीट्यूट ऑफ रुरल मैनेजमेंट,

पो. बॉ. नं. 60,

आनंद, गुजरात-388001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की

अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1439 (एफ.स. म.नि./आ.क. (छूट)/कल./जी.-6/35 (1)(iii)/95]

भार. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 25th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2630.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Rural Management, Post Box No. 60, Anand, Gujarat-388001.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1439/F. No. DG/IT(E)/G-6/35(1)(iii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2631.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक उपस्थित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति, (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

साइंस-टेक सेंटर, दालामल हाउस, नारीमन प्वाइंट,
बम्बई-400021

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "सभ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छः प्रतियां विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1440 एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/कल./एम.
98/35(i)(ii)/90]

आर. सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2631.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by

the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sci-Tech Centre, Dalamal House, Nariman Point, Bombay-400021.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1440/E. No. DG/IT(E)/M 98/35(i)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 अगस्त, 1995

आयकर

का.आ. 2632.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा—परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क), आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्कर् किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एशमिनिस्ट्रीव स्टाफ काबिज
ग्रोफ इंडिया, दोला मिस्ता,
हैदराबाद-500049.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

(राजस्व विभाग)

आदेश

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1995

स्टाम्प

2. संगठन को सूचाव दिया जाना है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवक/आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर भुगतान-निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिधियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या. 1441 (एफ. सं. प.नि./ग्रा. क. (छूट)/कल./ए. पी.-9/35(i) (ii)/90]

आर. सिंह, उपनिदेशक आयकर (छूट), कल.

Calcutta, the 29th August, 1995

INCOME TAX

S.O. 2632.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- " will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Administrative Staff College of India, Bella Vista, Hyderabad-500049.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1441 (F. No. DG/IT(E)/AP-9/35(1)(ii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemptions)

का.आ. 2633.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा में बालाजी होटल्स एंड एंटरप्राइजेस लि., को केवल पचास लाख आसठ हजार पांच सौ रुपए का समेकित स्टाम्प शुल्क प्रदा करने की अनुमति प्रदान करती है, जो कि उक्त कंपनी द्वारा जारी किए गए केवल साठ करोड़ पचहत्तर लाख रुपए के समेकित मूल्य के 1 से 4,50,000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 1350/1350/- रु. के पूर्ण रूप से परिवर्तनीय ऋण-पत्रों पर 9% स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 19/95-स्टा.फा. सं. 33/24/95-वि.क.]

एस. कुमार, अवर सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1995

STAMPS

S.O. 2633.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. Balaji Hotels and Enterprises Limited to pay consolidated stamp duty of Rupees Fifty Lakhs Sixty two thousand and five hundred only, chargeable on account of the stamp duty on 9 per cent Fully Convertible Debentures of Rs. 1350 each bearing distinctive numbers 1 to 4,50,000 of the aggregate value of Rupees Sixty Crores and Seventy Five Lakhs issued by the said company.

[No. 19/95-Stamp F. No. 33/24/95-ST]

S. KUMAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1995

स्टाम्प

का.आ. 2634.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम, बम्बई को मात्र मात्र लाख और पचास हजार रुपए का समेकित स्टाम्प शुल्क प्रदा करने की अनुमति देती है जोकि उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र दस करोड़ रुपए की कुल मूल्य के 01 से 99 तक की विशिष्ट संख्या वाले 12.5% महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम बंधपत्र 2005 (68वीं श्रृंखला) के ऋण-पत्रों के स्वरूप के बंधपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 20/95-स्टाम्प/फा.सं. 33/32/95-वि.क.]

एस. कुमार, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 5th September, 1995

STAMP

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1995

आदेश

S.O. 2634.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits Maharashtra State Financial Corporation, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees seven lakh and fifty thousand only chargeable on account of the stamp duty on 12.5 per cent Maharashtra State Financial Corporation Bonds 2005 (68 series) Bonds bearing distinctive numbers 01 to 99 in the form of debentures of the aggregate value of rupees ten crores only to be issued by the said Corporation.

[No. 20/95-Stamp (P. No. 33/32/95-ST)]

S. KUMAR, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का. आ. 2635.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा, घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19(2) के उपबंध यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया कलकत्ता पर 13 जून, 1997 तक की अवधि के लिए उससीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध गिरवी-दार के रूप में मेमर्स स्ट्रेट्स मोपेड कंपनी लिमिटेड की 30% से अधिक की प्रदत्त शेयर पूंजी की उसकी धारिता में है।

[संख्या-15/592-बी ओ ए]

श्री. एल. सचदेव, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2635.—In exercise of the powers conferred by the section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 19(2) of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta, for a period up to 13th June 1997 in so far as they relate to its holding of shares in excess of 30 per cent of the paid up share capital of M/s. Standard Moped Co. Ltd., as pledgee.

[No. 15/5/92-BOA]

B. L. SACHDEVA, Under Secy.

आयकर आयुक्त प. ब. — का कार्यालय

कलकत्ता, 16-05-1995

(सं. 1/95-96)

का. आ. 2637.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 उपधारा (1) एवं उप-धारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष के दिनांक 19-7-1991 के अर्ध-शामकीय पत्र फाइल सं. निदेशक (मुख्यालय)/प्रभार (निदेशनायक)/91/2339-63 में विहित मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करते हुए, मैं आयकर आयुक्त प. ब. —, कलकत्ता एतद्वारा निदेश देता हूं कि आयकर अधिनियम 1961 के अधीन : खाना 3 में विनिर्दिष्ट 2274 GI/95--5

का. आ. 2636.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा सुरक्षण और तस्करी नियंत्रण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/115/94-सी.शु. 8 दिनांक 19-8-1994 को यह निदेश जारी किया था कि श्री जावेद आलम सपुत्र श्री अब्दुल हसन, जी-5, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली-110049 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त दिल्ली के समक्ष हजरि हों।

[का. सं. 673/115/94-सी.शु.-8]

जमना दाम, अवर सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 13th September, 1995

S.O. 2636.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/115/94-Cus. VIII dated 19-8-1994 under the said sub-section directing that Shri Javed Alam S/o Shri Abdul Hassan, G-5, New Delhi South Extension-II, New Delhi-110049 be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from smuggling goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/115/94-Cus. VIII]

JAMNA DASS, Under Secy.

निर्धारितियों का एवं अन्य मामलों/निर्धारण वर्ग से संबंधित कार्यों का एवं खाना-4 में उल्लिखित आयकर आयुक्त के क्षेत्राधिकार एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन निम्नलिखित अनुसूची के खाना 2 में सूचित सहायक आयकर आयुक्त निर्धारण अधिकारी के प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे एवं उक्त कार्यों का निष्पादन करेंगे।

क्रम सं.	निर्धारण अधिकारी का पदनाम	क्षेत्राधिकार/मामलों के वर्ग	किसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन
1	2	3	4
1.	सहायक आयकर आयुक्त, बेरहमपुर	स. आ. आ., सर्कल 17 (1) कल., को इस समय सुपुर्द मुर्शिदाबाद जिला के सभी विद्यमान मामलों। (ख) मुर्शिदाबाद जिला के क्षेत्राधिकार के ऐसे नये मामले जिसका लाभ/नुकसान रु. 2 लाख एवं 10 लाख के बीच है। (ग) मुर्शिदाबाद जिला के क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी विद्यमान तलाश एवं अभिग्रहण मामले एवं भविष्य में उभरने वाले तलाश से संबंधी मामले (घ) आयकर अधिनियम 1961 के धारा 202 के अधीन श्रोन पर कटौती से संबंधी सभी मामलों जो इस समय आ. आ. वार्ड-1, मुर्शिदाबाद को सुपुर्द हैं।	आ. उपा. रेंज-17, कलकत्ता

यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

[सं. विविध-1/क्षेत्राधिकार/प. ब. -X/95-96/718]

सुब्रत दास, आयकर आयुक्त,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX, WEST BENGAL-X.

Calcutta, the 16th May 1995

No. 1/95-96

S.O. 2637 In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (2) of Section 120 of the I.T. Acts 1961 (43 of 1961) and the guidelines given by C. B. D. T. vide Chairman's D.O.F. No. DIR (HQRS)/CH (D.T 91/2339-63 dated 19-7-1991, I, the Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta hereby direct that the A. C. I.T. as per Col. 2 of the schedule below, will exercise the powers and perform the functions of Assessing Officer under the Income Tax Act, 1961 in respect of the assessee and other cases/classes of assessing specified in Col (3) and falling under the jurisdiction and administrative control of the D. C. I. Ts as per Col 4 below.

Sl.No.	Designation of the Assessing officer	Jurisdiction/Classes of cases	Under administrative control of
1	2	3	4
1.	Assistant Commissioner of Income Tax Berhampore	(a) All existing cases relating to the district of Murshidabad presently assigned to the A.C.I.T., Circle-17 (1), Cal. (b) All new cases having income/loss Rs. 2 lakhs to Rs. 10 lakhs in the territorial areas of the district of Murshidabad. (c) All existing Search & Seizure cases and also the search cases which may come up in future in the territorial areas of the district of Murshidabad. (d) All matters relating to T.D.S. u/s 202 of the I. T. Act, 1961 which are at present assigned to the I.T.O., Ward-1, Murshidabad	D.C.I.T., Range-17, Calcutta

This notification will come in force with immediate effect.

[No. Misc-1/Jur/WB-X/95-96/718]

SUBRATA DAS, Commissioner of Income Tax,

व्यापार मंत्रालय

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

आदेश

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2638 :—मै. जे. के. इण्डस्ट्रीज लि. (फार्मा डिवीजन), 3 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 को पेनिसिलिन जी पोटैशियम फस्ट क्रिस्टल के 6.148 एमएमयू के आयात के लिए 42,67,326/- रुपये (बयालीस लाख सड़मठ हजार तीन सौ छब्बीस केवल) के लिए आयात लाइसेंस सं० पी/डी/3494614 दिनांक 19-6-1995 दिया गया था।

कर्मने अपर्युक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क नियंत्रण प्रयोजन प्रति और विनियम नियंत्रण प्रति की प्रतिलिपि इस आधार पर जारी करने के लिए प्रावेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क नियंत्रण प्रयोजन प्रति और विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है, अथवा अस्थानस्थ हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था और आयात लाइसेंस के मूल्य का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं किया है।

2. अपने कथन के समर्थन में, लाइसेंसधारक ने 19-7-95 को नोटरी पब्लिक के समक्ष विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक हलफनामा प्रस्तुत किया है। मैं तबनुसार संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं० पी/डी/3494614 दिनांक 19-6-1995 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन नियंत्रण प्रति और विनियम नियंत्रण प्रति कर्म द्वारा खो गई है अथवा अस्थानस्थ हो गई है। मैं विदेश व्यापार, महानिदेशालय नई दिल्ली द्वारा जारी कानूनी आदेश सं० 1060 (अ) दिनांक 31-12-93 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मै. जे. के. इण्डस्ट्रीज, नई दिल्ली को जारी आयात लाइसेंस सं० पी/डी/3494614 दिनांक 19-6-95 को एतद्वारा नई करता हूँ।

3. उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन नियंत्रण प्रति और विनियम नियंत्रण प्रति और विनियम नियंत्रण प्रति की प्रतिलिपि पार्टी को मलग से जारी की जा रही है।

फा. सं. एसपीएल/एनएस/1012/एम. 95/एसएलएस/520]

एच. एल. अस्वाल, उप महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Foreign Trade)

ORDER

New Delhi, the 8th September, 1995

S.O. 2638.—M/s. J. K. Industries Ltd., (Pharma Division), 3 Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110002, were granted an Import Licence No. P/D/3494614 dt. 19-6-95 for Rs. 42,67,326 (Forty two lakhs sixty seven thousand three hundred and twenty six only), for import of 6.148 MMU of Penicillin-G Potassium First Crystal.

The firm has applied for issue of Duplicate copies of Customs Central Purpose copy and Exchange Control copy of the above-mentioned licence on the ground that the original Customs purpose control copy and Exchange Control copy of the licence have been lost or misplaced. It has

further been stated that the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of import licence has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public on 9-7-95. I am accordingly satisfied that the original Customs purpose control copy and Exchange Control copy of import licence No. P/D/3494614 dt. 19-6-95 have been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred on me under order S.O. 1060(E) dt. 31-12-93 issued by DGFT, New Delhi, the import licence No. P/D/3494614 dt. 19-6-95 issued to M/s. J. K. Industries, New Delhi is hereby cancelled.

3. Duplicate Customs Purpose Control Copy and Exchange Control Copy of the said licence are being issued to the party separately.

[F. No. SPL/NS/1012/AM.95/SLS/520]

H. L. ASWAL, Dy. Director General of Foreign Trade.

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2639 :—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन, भारतीय मानक ब्यूरो के निम्नलिखित शाखा कार्यालयों, जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को एतद्वारा अधिसूचित करती है :—

1. भोपाल शाखा कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो, गंगोत्री कम्प्लेक्स,
पांचवां तल, भद्रभदा रोड, टी टी नगर,
भोपाल-462003
2. कानपुर शाखा कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो,
117/118 बी सर्वोदय नगर, कानपुर-208005
3. पटना शाखा कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो, पाटनीपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया,
पटना-800013

[संख्या ई-11012/8/95-हिन्दी]

राम तिलक पाण्डेय, निदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS
& PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2639.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, The Central Government hereby notifies the following branch offices of Bureau of Indian Standards under the control of Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution, where more than 80 per cent of the staff have acquired working knowledge of Hindi

1. Bhopal Branch office,
Bureau of Indian Standards,
Gangotri complex, Fifth Floor,
Bhadrabhadra Road, T. T. Nagar,
Bhopal-462003.

2. Kanpur Branch office,
Bureau of Indian Standards,
117/418-B, Sarvodaya Nagar,
Kanpur-208005.
3. Patna Branch office,
Bureau of Indian Standards,
Patliputra Industrial Area,
Patna 800013.

[No. E-11012/8/95-Hindi]

R. T. PANDEY, Director

ई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1995

का. आ. 2640:—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बार और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बात और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के अपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि उक्त माडल लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उच्चतम सेवा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वर्ग-3 के टाइप एमए एम-टी टी सीरिज के स्वतः सूचक गैर स्वचालित टेबल टॉप इलेक्ट्रॉनिक तौलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स मस्टीक इंडिया, अहमदाबाद, द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई. एन. डी. 09/95/05 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग 3) का तौलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 5 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है स्थापन मापमाग अन्तर (ई) 1 ग्राम है। इसमें एक डेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण डेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। आधार और प्लेटफार्म धात्विक है। आरग्राही ध्वनिगर् आकृति का है जिसका पाथ 250—250 मि. मी. है (प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तौल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यायती द्वारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

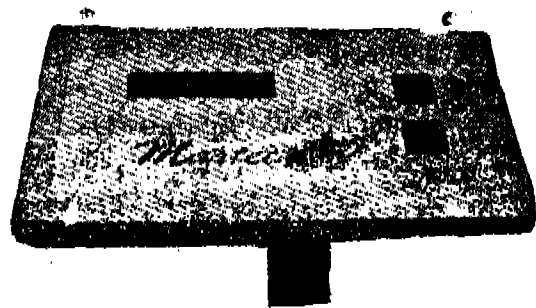


आकृति

आगे, केन्द्रीय सरकार, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माण द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिसमें अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम, 2 किलोग्राम, 5 किलोग्राम और 10 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मैक, यथार्थता और उसी सीरिज के कार्यकरण वाले तौलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21 (14)/94]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव



(figure)

Further, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of the same series with a maximum capacity of 100 g, 200 g, 500 g, 1 kg, 5 kg and 10 kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(14)/94]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

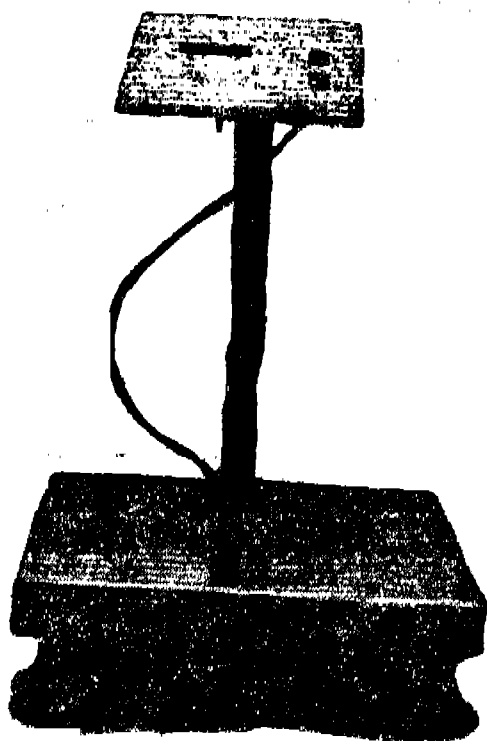
नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1995

का. आ. 2641.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि उक्त माडल लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वतः सूचक गैर-स्वचालित अंकीय संपर्क प्लेट फार्म टाइप एम ए एस-पी एफ सीरीज वर्ग-3 के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण संसर्ग

मन्त्रिक इंडिया, रामेश्वर शापिंग सेंटर, भाग 2, आशा अस्पताल के अधीन इसानपुर, अहमदाबाद द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन विज्ञापन आई. एन. डी. 09/95/10 समन्वेषित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग 3) का तौलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 50 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 ग्राम है। मत्यापन मापमान अन्तर (ई) 10 ग्राम है। इसमें एक डेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण डेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। आधार और प्लेटफार्म धात्विक है। भारवाही आयनाकार आकृति का है जिसका पाखरे 400—500 मि. मी. है। प्रकाशउत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तौल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रवाय पर प्रचालित होता है।



(आकृति)

आगे, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिसमें अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 60 किलोग्राम, 100 किलोग्राम, 150 किलोग्राम, 200



(आकृति)

किलोग्राम, 500 किलोग्राम, 1000 किलोग्राम और 2000 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मीक, यथार्थता और उसी सीरीज के कार्यकरण वाले तौलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. 21(14)/94]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 15th September, 1995

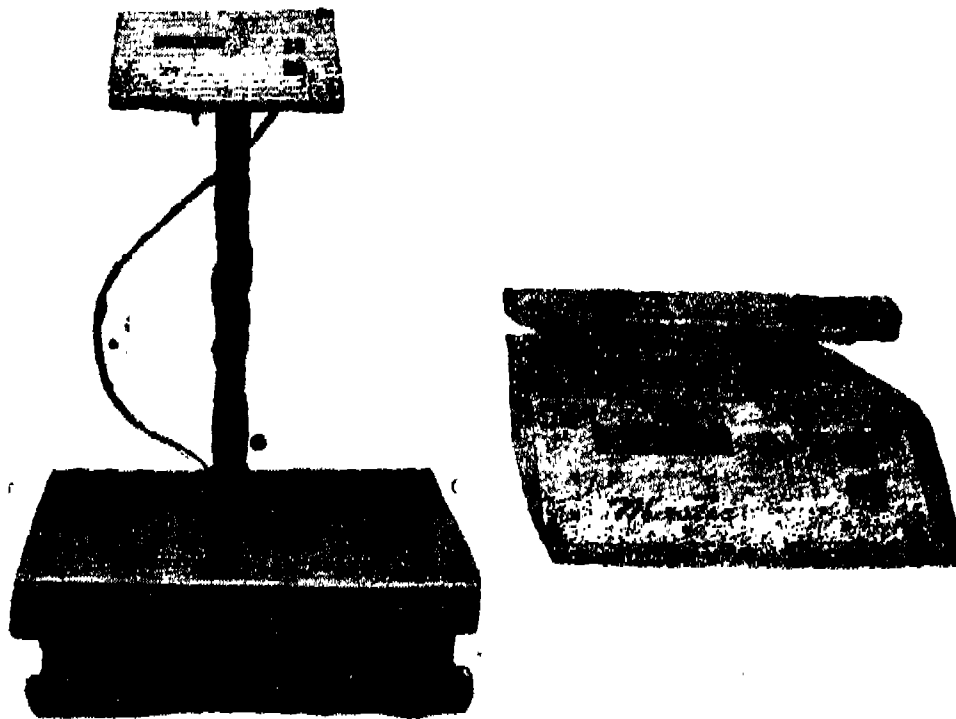
S.O. 2641.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central

Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating non-automatic digital display platform electronic weighing instrument of type MAS-PF series class III (herein referred to as the Model) manufactured by M/s. Mastec India, Ahmedabad and which is

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 50 kilogram and minimum capacity of 200 gram. The verification scale interval (e) is 10 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and the platform are metallic. The load receptor is of rectangular shape of sides 400 × 500 millimetre. The LCD display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.

21



Further, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of the same series with a maximum capacity of 60 kg, 100 kg, 150 kg, 200 kg, 500 kg, 1000 kg and 2000 kg

manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(14)94]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

परमाणु ऊर्जा विभाग

बंबई, 11 जून 1995

का. आ. 2642.—इस विभाग की दिनांक 3 जुलाई 1990 की अधिसूचना सं. 18/1(3)/90-ई आर के अधि-
क्रमण में, राष्ट्रपति निम्नलिखित परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड
का पुनर्गठन करते हैं :—

- | | |
|------------------------------------|----------|
| 1. डॉ. ए. गोपालकृष्णन | —अध्यक्ष |
| 2. डॉ. आर. डी. जेले | —सदस्य |
| निर्दिष्ट निदेशक, | |
| जलजलिक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र | |
| बंबई | |

- | | |
|---|-------------|
| 3. डॉ. एम. एस. रामस्वामी | |
| मेकानिकल सहायक निदेशक | —सदस्य |
| फैक्टरी एडवाइस सर्विस एवं | |
| नेबर इंस्टीट्यूट, बंबई | |
| 4. प्रो. एस. पी. मुखर्जी | —सदस्य |
| निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, | |
| पबई, बंबई | |
| 5. श्री एस. श्री. कुमार | —पदेन सदस्य |
| कार्यकारी निदेशक, | |
| प्रचालन एवं संयंत्र सुरक्षा प्रभाग एवं अध्यक्ष, | |
| प्रचालन एवं संयंत्र—सुरक्षा समीक्षा समिति | |

[सं. 18/1(3)/93—ई आर/1885]

बी. अग्रवाल, उप सचिव

Department of Atomic Energy

Bombay, the, 11th July, 1995

S. O. 2642.—In supersession of this Department's Notification No. 18/1 (3) /90-ER dated July 3, 1990, the President is pleased to reconstitute the Atomic Energy Regulatory Board as under:—

- | | |
|---|---------------------|
| 1. Dr. A. Gopalakrishnan | - Chairman |
| 2. Dr. R. D. Lele, Medical Director,
Jaslok Hospital & Research
Centre, Bombay. | Member |
| 3. Dr. S. S. Ramaswamy, Retd. Director
General, Factory Advice Service & Labour
Institute, Bombay. | - Member |
| 4. Prof. S. P. Sukhatme, Director, Indian
Institute of Technology, Powai, Bombay. | - Member |
| 5. Shri S. V. Kumar, Executive Director,
(Operating plants) Safety Division and Chairman,
Safety Review Committee for operating
plants (SARCOP). | - Ex-officio Member |

[No 18/1(3) /95-ER/1885]

V. Ashok, Dy. Secy

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1995

का. प्रा. 2643.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयु-
विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की
धारा 20 की उपधारा (1) और उपधारा (3) के अनुसरण
में, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य डा. बी. के. गोयल
को स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा समिति में नामनिर्दिष्ट
करती है और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्रा. 2827, तारीख 17
अक्तूबर, 1991 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट
श्रीषक के नीचे क्रम संख्यांक 4 तथा उसमें संबंधित प्रविष्टियों
के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित संख्यांक और प्रविष्टियां
रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“डा. बी. के. गोयल
डीन एवं हृदयविज्ञान के प्रोफेसर
बम्बई हास्पिटल इंस्टीट्यूट
ऑफ मेडिकल साइंसेस, बम्बई”

[सं. बी. 11013/6/95-एम ई (यू जी)]

एस. के. मिश्र, निम्न अधिकारी

टिप्पणी:—मूल अधिसूचना दिनांक 17 अक्तूबर की अधि-
सूचना संख्या का. प्रा. 2827 के तहत जिसे
बाद में (1) दिनांक 27 अप्रैल, 1994 की

अधिसूचना संख्या का. प्रा. 1252 और (2)
दिनांक 8 मई 1995 की अधिसूचना संख्या
वी.-11013/6/95-एम ई (यू जी) के तहत
संशोधित किया गया, भारत के राजपत्र में प्रकाशित
किया गया था।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 14th September, 1995

S.O. 2643.—In pursuance of sub-sections (1) and (3) of
section 20 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of
1956), the Central Government hereby nominates Dr. B. K.
Goyal, a member of Medical Council of India, to be a
members of Post Graduate Medical Education Committee
and makes the following amendments in the notification of
the Government of India in the Ministry of Health and
Family Welfare number S.O. 2827, dated 17th October,
1991, namely:—

In the said notification under the heading 'NOMINATED
BY CENTRAL GOVERNMENT' for serial number 4 and
the entries relating thereto, the following serial number and
entries shall be substituted, namely:—

- “4. Dr. B. K. Goyal,
Dean and Professor of Cardiology,
Bombay Hospital Institute of Medical Sciences,
Bombay.”

[No. V-11013/6/95-ME(UG)]

S. K. MISHRA, Desk Officer

NOTE.—The principal notification was published in the
Gazette of India vide notification number S.O.
2827, dated the 17th October, 1991 and subsequently
amended by:—

1. Notification number S.O. 1252 dated 27th April 1994
2. Notification number V-11013/6/95-ME(UG) dated 8th May 1995.

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1995

का. आ. 2644.—नाविक भविष्य निधि स्कीम, 1966 के पैरा-3 के साथ पठित नौविक भविष्य निधि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, भारत सरकार के पूर्व परिवहन मंत्रालय, जल भूतल परिवहन विभाग (नौवहन पक्ष) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं में निम्नलिखित संशोधन करती है:-

- (i) अधिसूचना का. आ. 568 दिनांक 13-2-91 के सामने श्री यू. एम. अलमेदिया, प्रतिनिधि, एन. यू. एस. आई. (अव सेवानिवृत्त) के स्थान पर श्री एम. टी. जोसेफ, सहायक महा-सचिव, एन. यू. एस. आई. का नाम रखा जाए।
- (ii) अधिसूचना का. आ. 2881 दिनांक 6-10-94 (संशोधन) के सामने कैप्टन के. के. कोहली, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय जहाजमालिक संघ (जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है) के स्थान पर श्री टी. के. चौधरी, प्रतिनिधि भारतीय राष्ट्रीय जहाजमालिक संघ, उप-समिति (फ्लोटिंग स्टाफ) को रखा जाए।

[फा. सं. एस टी-14018/7/90-एम टी]
ओ. पी. माहे, अवसर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 20th September, 1995

S.O. 2644.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966) read with paragraph 3 of the Seamen's Provident Fund Scheme 1966, the Central Government hereby makes following amendments in the notification of the late Ministry of Transport, Department of Surface Transport (Shipping Wing) as follows:—

(i) Against S. No. 8 of notification S.O. 568 dated 13-2-91 the name of Shri U. M. Almedia, rep. NUSI (now retd.) be substituted by Shri M. T. Joseph, Asstt. Gen. Secy., NUSI.

(ii) Against S. No 6 of amendment notification S.O. 2881 dated 6-10-94 the name of Capt. K. K. Kohli, Chairman, INSA (resigned) be substituted by Sh. T. K. Choudhury, rep. of INSA sub-committee (Floating staff).

[F. No. ST-14018/7/90-MT]

O. P. MAHEY, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1995

का.आ. 2645.—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 7 तथा 8 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा-5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए और इस मंत्रालय की 21-12-94 की अधिसूचना

के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार (1) श्री ए. आनन्द मोहन, फ्लैट, नं. डी-4, प्रथम मंजिल, "वैशाली", संख्या 17, डॉ. नायर रोड, मद्रास-17 और (2) श्री बी. नटराजन, जी-11 नं. 2, सर्वना स्ट्रीट, टी. नगर, मद्रास-17 को तत्काल प्रभाव से 2 वर्ष की अवधि या अगले आदेशों, जो भी पहले हो, तक के लिए केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल में सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. संख्या 809/6/93-एफ. (सी)]

ए. एम. राजगोपाल, निदेशक (फिल्म)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 14th July, 1995

S.O. 2645.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's notification of even number dated 21-12-94, the Central Government is pleased to appoint (1) Shri A. Anand Mohan, Flat No. D-4 1st Floor, "Vaishali", No. 17 Dr. Nair Road, Madras-17, and (2) Shri V. Natarajan, G-11 No. 2 Saravana Street, T. Nagar, Madras-17, as members of the Madras advisory panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 809/6/93-F(C)]

A. S. RAJAGOPAL, Director (Films)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1995

का.आ. 2646.—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 7 तथा 8 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए और उपर्युक्त विषय पर इस मंत्रालय की 21-12-94 की सम संख्यक अधिसूचना के अधिकरण में केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के हैदराबाद सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और निम्नलिखित व्यक्तियों को कथित पैनल में 24-7-95 से 2 वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सदस्य के रूप में नियुक्त करती है:—

1. श्रीमती एम. सरला रानी
2. श्रीमती चित्रा नागराज
3. श्री सी. जे. रेड्डी
4. डॉ. एम. कृष्णामूर्ति
5. श्रीमती एस. पी. सुशीला कनक राजू
6. श्रीमती एम. के. आर. आशाशक्ता
7. डॉ. बी. मनकोडा रेड्डी
8. श्रीमती नलिनी गंकर
9. श्रीमती जी. मणि
10. डॉ. वामा प्रभावती
11. श्री बी. मधुसूदन
12. श्री पी. बी. चेलापति राव
13. श्री रविशुतल सुवामा कन्नन

14. डॉ. एस. रवीन्द्र नाथ
15. श्री मन मोहन रेड्डी
16. श्री चौ. मुब्बा राव
17. डॉ. टी. रत्नाकर
18. श्री डी. विट्टल राव
19. श्री भोली
20. श्री जे. जे. बापू रेड्डी
21. डॉ. (श्रीमती) के. उमा रामा राव
22. श्रीमती पी. सरस्वती
23. डॉ. ए. आर. विजयलक्ष्मी
24. डॉ. पी. बलाम्बा
25. श्रीमती ए. हेमलता
26. श्री कुम्बदा मुर्लीधर
27. श्री पोत्तुरी वेंकटेश्वर राय
28. श्री पी. वामन राव
29. श्री पोथकुची सम्बासिवा राव
30. श्री पार्वथला राव
31. श्री बी. बी. रामा राव
32. श्री आर. प्रभाकर राय
33. श्री के. बालसुब्रमण्यम
34. श्री ए. आनन्द मोहन
35. श्री ऊ. रामा मोहन राव
36. श्री अह्लाकी कृष्णाप्रसाद
37. सुश्री शारदा अणोक बरदान
38. श्री पी. मुधाकर रेड्डी
39. सुश्री गीता रेड्डी

[फाइल संख्या 809/3/93-एफ. (सी)]

ए. एस. राजगोपाल, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 14th July, 1995

S.O. 2646.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in supersession of this Ministry's notification of even number dated 21-12-94, the Central Government is pleased to reconstitute the Hyderabad advisory panel of the Central Board of Film Certification and appoint the following persons as members of the said panel with effect from 24-7-95 for a period of two years until further orders whichever is earlier:—

1. Smt. M. Sarala Rani
2. Smt. Chitra Nagaraj
3. Shri C. J. Reddy
4. Dr. M. Krishnamurthy
5. Smt. S. P. Susela Kanaka Raju
6. Smt. M. K. R. Ashalata
7. Dr. V. Malkonda Reddy
8. Smt. Nalini Shankar
9. Smt. G. Mani
10. Dr. Vasa Prabhavati
11. Shri V. Madhusudan
12. Shri P. V. Chalapathi Rao
13. Smt. Ravinutal Suvama Kannan
14. Dr. S. Ravindra Nath
15. Shri Man Mohan Reddy
16. Shri Ch. Subba Rao
17. Dr. T. Ratnakar

18. Shri B. Vittal Rao
19. Shri Mouli
20. Shri J. Bapu Reddy
21. Dr. (Mrs.) K. Uma Rama Rao
22. Smt. B. Saraswathi
23. Dr. A. R. Vijayalakshmi
24. Dr. P. Balamba
25. Smt. A. Hemalatha
26. Shri Kuruvada Muralidar
27. Shri Potturi Venkateswara Rao
28. Shri P. Vaman Rao
29. Shri Pothukuchi Sambasiva Rao
30. Shri Parvathala Rao
31. Shri B. V. Rama Rao
32. Shri R. Prabhakar Rao
33. Shri K. Balasubramanyam
34. Shri A. Anand Mohan
35. Shri U. Rama Mohana Rao
36. Shri Addanki Krishna Prasad
37. Ms. Sarada Ashok Varadan
38. Shri P. Sudhakar Reddy
39. Ms. Geeta Reddy.

[File No. 809/3/93-F(C)]

A. S. RAJAGOPAL, Director (Films)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1995

का.आ. 2647.—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 43 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) व (3) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, बम्बई उच्च न्यायालय के मेथानिवृत्त न्यायाधीश श्री भक्तावर लेन्टिन को फिल्म प्रमाणन अपीलिय अधीकरण के अध्यक्ष के रूप में सरकारी गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के अथवा अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, नियुक्त करती है।

[फाइल संख्या 816/2/90-एफ. (सी)-खण्ड-3]

आर. सी. शहदादपुरी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 21st July, 1995

S.O. 2647.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of section 5D of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 43 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 the Central Government hereby appoints Shri Justice Bhaktavar Lentin, retired judge of Bombay High Court as Chairman of the Film Certification Appellate Tribunal, for a period of three years commencing from the date of publication of this notification in the Official Gazette or until further orders, whichever is earlier.

[File No. 816/2/90-F(C)-Vol.III]

R. C. SHADHAPURI, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1995

का.आ. 2648.—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 व 8 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय की दिनांक 14-7-95 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में केन्द्र सरकार सुश्री उमिला रेड्डी एस-2-703/ए/61 सी, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-500034 को केन्द्रीय

फिल्म प्रमाणन बोर्ड के हैदराबाद सलाहकार पैनल में सदस्य के रूप में तात्कालिक प्रभाव से दो वर्ष की अवधि अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त करते हैं :—

[फाइल. संख्या 309/3/93-एफ. (सी)]

ए. एस. राजगोपाल, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 29th August, 1995

S.O. 2648.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's notification of even number dated 14-7-95, the Central Government is pleased to appoint Ms. Urmila Reddy, S-2-703A/6/C, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad-500 034, as a member of the Hyderabad advisory panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of two years or until further orders whichever is earlier.

[File No. 809/3/93-F(C)]

A. S. RAJAGOPAL, Director (Films)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1995

का.आ. 2749.—चलचित्रिकी (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 व 8 के साथ पठित चलचित्रिकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित व्यक्ति जो केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के दिल्ली सलाहकार पैनल के सदस्य हैं, को निदेश देती है कि उनकी सदस्यता दिनांक 1-9-95 से समाप्त हो जाएगी :—

1. सुश्री कृष्णा जैन
2. श्री ललित भसीन
3. सुश्री शशिरानी कक्कड़
4. श्री नौशाद अली
5. सुश्री रश्मि कपूर
6. श्री आलोकनाथ दीक्षित
7. श्री बी. एस. पंडित
8. श्री एम. बी. देसाई
9. सुश्री सुन्दरी के. श्रीधरनी
10. श्री अभय कुमार जैन
11. सुश्री सुधा जैकब
12. श्री राज चौपड़ा
13. श्री शमस-उस-जमन
14. श्री करन लुथरा
15. श्री दिनेश मलानी
16. श्री सतीश सक्सेना
17. श्री तखत राम
18. श्री एम. अशोकन
19. एतमानूर जोसफ मैथ्यू
20. श्री रामेश्वर नीखरा
21. श्री डी. पी. पंचोली
22. श्री डी. विजय मोहन
23. श्री नित्यानन्द सामन्ता राय

24. श्री एस. एन. चण्डाक
25. डा. विश्वनाथ भ्रानन्द
26. सुश्री हरजीत कौर
27. सुश्री रमा झा
28. सुश्री तरवीन मेहरा
29. श्री हरभजन सिंह
30. श्री विमल डागा
31. श्री जी. सी. कुदेसिया
32. सुश्री आराधना चौधरी
33. सुश्री नसरिन सुलताना
34. डा. गोलम याजदानी
35. श्री के. आर. राजप्पन
36. श्री सिद्धार्थ बैनर्जी
37. डा. सीला राव
38. के. एस. श्रीनिवासन
39. सुश्री रचना खेरा
40. श्री अजलभास्त्री
41. बिशन टण्डन
42. डा. मोहसिन उस्मानी
43. श्री शिव जाटिया
44. डा. रत्ना लाहिड़ी
45. श्री ग्रहण खन्ना
46. श्री ए. एन. गोयनका
47. नवाब जफर एच. जंग
48. डा. निजामुद्दीन
49. श्री वेहरू लाल गूजर
50. सुश्री श्रेष्ठ मेहता
51. सुश्री किरन बारे
52. श्री सुरेश शर्मा
53. सुश्री हमीदा बानू
54. श्री कैलाश पनेरी
55. श्री अमरजीत सिंह ब्रह्मवालिवा
56. श्री हमरान किदवाई
57. श्री शिव भाटिया
58. सुश्री सुभारा मुखर्जी
59. श्री गुरु दत्त रवि
60. श्री उपेन्द्र शूब
61. डा. रीना रामचन्द्रन
62. सुश्री पद्मा मेठ

[फाइल संख्या 813/5/95 एफ. (सी)]

आर. सी. शहदावपुरी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st September, 1995

S.O. 2649.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 7 & 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983, the Central Government is pleased to direct that the following persons who are members of the Delhi

Advisory Panel of the Central Board of Film Certification shall cease to be such members w.e.f. 1-9-95 :—

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1995

1. Ms. Krishna Jain
2. Shri Lalit Bhasin
3. Ms. Sashi Rani Kacker
4. Shri Naushad Ali
5. Ms. Rashmi Kapur
6. Shri Alok Nath Dixit
7. Shri V. S. Pandit
8. Shri M. V. Desai
9. Shri Akshay Kumar Jain
10. Ms. Sundari K. Shridharani
11. Ms. Sudha Jacob
12. Shri Raj Chopra
13. Shri Shamas-us-Zaman
14. Shri Karan Luthra
15. Shri Dinesh Malani
16. Shri Satish Saxena
17. Shri Takhat Ram
18. Shri N. Ashokan
19. Shri Etumanoor Joseph Mathew
20. Shri Rameshwar Neekhra
21. Shri D. P. Pancholi
22. Shri D. Vijaya Mohan
23. Shri Nityananda Samantha Roy
24. Shri S. N. Chandak
25. Dr. Vishwanath Dixit
26. Ms. Harjit Kaur
27. Ms. Tarveen Mehra
28. Ms. Rama Jha
29. Shri Harbhajan Singh
30. Shri Vimal Daga
31. Shri G. C. Kudaisaya
32. Ms. Aradhana Chaudhari
33. Ms. Nasreen Sultana
34. Dr. Golam Yazdani
35. Shri K. R. Rajappan
36. Shri Siddharth Banerji
37. Dr. Leela Rao
38. Shri K. S. Srinivasan
39. Ms. Rachna Khera
40. Shri Ajal Bhambhi
41. Shri Bishan Tandon
42. Dr. Mohsin Usmani
43. Shri Shiv Jatiya
44. Dr. Ratna Lahiri
45. Shri Arun Khanna
46. Shri A. N. Goenka
47. Nawab Zafar H. Jung
48. Dr. Nizamuddin
49. Shri Behru Lal Gujar
50. Ms. Shreshtha Melita
51. Ms. Kiran Barey
52. Shri Suresh Sharma
53. Ms. Hameeda Banu
54. Shri Kailash Paneri
55. Shri Amarjit Singh Ahluwalia
56. Shri Imran Kidwai
57. Shri Shiv Bhatia
58. Ms. Subhara Mukherjee
59. Shri Guru Dutt Ravi
60. Shri Upendra Sood
61. Dr. Reena Ramachandran
62. Ms. Padma Seth

[File No. 813/5/95-F(C)]

R C SHAHDADPURI, Desk Officer

का.प्रा. 2650.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय जोधपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 31-8-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल 30011/18/88-डी-3(बी)आईआर(कोल-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 4th September, 1995

S.O. 2650.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Labour Court, Jodhpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Oil & Natural Gas Commission and their workmen, which was received by the Central Government on 31-8-95.

[No. L-30011/18/83-D.III(B)/IR(Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

प्रनुबंध

श्रम न्यायालय, जोधपुर

पीठासीन अधिकारी :—श्री महेन्द्र कुमार जैन, आर.एच.जे.एस.

श्रम विवाद संख्या :—1/1990 (केन्द्रीय)

शाखा सचिव ओ.एन.जी.सी. एम्प्लॉयज मजदूर सभा, पोस्ट षोतारू जिला जैसलमेर (राज.)

... प्रार्थी-पक्ष

बनाम

जनरल मैनेजर, तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, राजस्थान प्रोजेक्ट उम्मेद निवास रातानाडा जोधपुर

... अप्रार्थी-पक्ष

उपस्थिति :—

(1) प्रार्थी की ओर से कोई प्रतिनिधि हाजिर नहीं।

(2) अप्रार्थी की ओर से कोई प्रतिनिधि हाजिर नहीं।

अधिनिर्णय

दिनांक 6 जुलाई, 1995

भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा अपनी अधिसूचना क्रमांक एल. 30011/18/88-डी-3(बी) दिनांक 9-1990 के द्वारा निम्न विवाद वास्ते अधिनिर्णय इस न्यायालय को प्रेषित किया गया है :—

“Whether the action of the management of Oil & Natural Gas Commission, Jodhpur in refusing payment of 128 TA bills

peretaining to the Year 1984-85 of their employees working in their Jodhpur projects is just and legal. If not, to what relief are the concerned workers entitled?"

2. विवाद प्राप्त होने पर दोनों पक्षों को नोटिस जारी किये गये। प्रार्थी-पक्ष का नोटिस रजिस्टर्ड प/डी तारीख पेशी 1-9-94 तामीनगुदा ए.डी. दिनांक 1-3-1995 को पत्रावली में उपलब्ध है लेकिन दिनांक 1-3-1995 को प्रार्थी-पक्ष उपस्थित नहीं हुआ जिसपर तारीख पेशी 30-3-1995 सुनिश्चित की गई लेकिन उस रोज अवकाश घोषित हो जाने से पत्रावली 9-5-1995 नियत की गई लेकिन 8-5-1995 को भी प्रार्थी-पक्ष के प्रतिनिधि उपस्थित नहीं आये जिसपर तारीख पेशी 6-7-1995 नियत की गई। आज भी प्रार्थी-पक्ष व अप्रार्थी-पक्ष के प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए हैं। प्रार्थी-पक्ष ने अभी तक कोई मांग-पत्र भी पेश नहीं किया है। प्रार्थी-पक्ष के प्रतिनिधि के लगातार पेशियों पर उपस्थित नहीं होने से यही प्रकट होता है कि प्रार्थी-पक्ष अब इस विवाद में रुचि नहीं रखता है। अतः इसे मामले में नोडिस्पयुट एवार्ड पारित किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

अधिनियम

3. श्रमिक-पक्ष पर नोटिस तामीन हो जाने के बावजूद लगातार कई पेशियों पर उपस्थित नहीं होने व मांग-पत्र पेश नहीं करने से यही प्रकट होता है कि श्रमिक-पक्ष इस विवाद में रुचि नहीं रखता है। अतः इस मामले में कोई विवाद नहीं अधिनियम (नोडिस्पयुट एवार्ड) पारित किया जाता है।

4. इस अधिनियम को वास्तव सूचना एवं प्रकाशनार्थ भारत सरकार के श्रम मंत्रालय को प्रेषित किया जावे।

महेन्द्र कुमार जैन, श्रम न्यायाधीश जोधपुर

5. यह अधिनियम आज दिनांक 06-7-1995 को खुले न्यायालय में हस्ताक्षर कर सुनाया गया।

महेन्द्र कुमार जैन, न्यायाधीश श्रम न्यायालय, जोधपुर

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का. आ. 2651.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मै. भारत कोकिंग कोल लिमि. की बंस जोरा कोलि-यरी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, (मं. I), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012/328/89-आई आर कोल-I]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2651.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sendra Bansjora Colliery of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 5-9-1995.

[No. L-20012/328/89-IR (Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 83 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sendra Bansjora Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri G. Prasad, Advocate

For the Workmen—Shri S. N. Goswami, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 21st August, 1995

AWARD

By Order No. L-20012/328/89-IR (Coal-I), dated, the 18th April, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Sendra Bansjora Colliery under Sijna Area of M/s. BCCL in dismissing Shri Sudama Das, Miner Loader under letter No. SB/Mgr./88/19/753 dated 18-6-88 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. It has been claimed in the written statement filed on behalf of the concerned workman, Sudama Das, that he was appointed as Miner Loader on 1-1-73 before the take over of West Mudidih Colliery, on nationalisation. Now it is under M/s. B.C.C. Ltd. In the written statement the particulars about the concerned workman as recorded in the Form 'B' Register as well in the Identity Card Register are given in para 1 of the statement itself. These particulars show, amongst other facts, that the employee's name was Sudama Das S/O Faudi Dass whose home address was at Village—Pokri, P.S. Pokri Barma in the District of Gaya and that he was appointed on 1-1-73 as Miner. The significant point about the particulars given out of the Identity Card Register is that the Identity Card was issued on 3-4-75, the significants of which shall be discussed later.

3. It has been claimed by the workman that he had blotless service record and was also a member of the C.M.P.F. Account. The concerned workman was transferred to Sendra Bansjora Colliery under Office Orders dated 26-4-78 and 21-4-78. He was released from Mudidih Colliery with effect from 27-4-78.

4. It has been alleged that the management claimed that one Keshri Devi filed a complaint that Sudama Rabidas, Miner/Loader at Mudidih Colliery was her husband who had expired at Bihar Sarif Sadar Hospital on 26-1-73. According to this written statement, the management's case was that after the death of Sudama Rabidas the concerned workman impersonated him and entered into service in his place as also got himself transferred to Sendra Bansjora Colliery. On the complaint of Keshri Devi the concerned workman was stopped from duty by letter dated 20th August, 1981 and a First Information Report was also lodged against him with the police.

5. Thereafter an industrial dispute was raised. The workman has denied that he had impersonated anyone claiming that he was enrolled in his own name, and had worked till he was stopped from duty illegally.

6. It is further the case of the concerned workman that for that dispute a reference was made to the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad in Reference No. 18 of 1983. By an award of the Tribunal dated 30-6-84 the workman was ordered to be reinstated in service with full back wages, giving liberty to the management to hold a regular enquiry against the concerned workman after his reinstatement and to take proper action after the enquiry if deemed proper. The workman was reinstated but the management initiated domestic enquiry against him. The chargesheet dated 24-4-85 was issued on the allegation of the same misconduct, which was not served upon the workman.

7. In the written statement the concerned workman has claimed that the enquiry was initiated while the criminal case in the Court of law was pending against him on the same charge. It has been submitted that the proceedings were re-opened in violation of law.

8. Even then the management proceeded with the enquiry despite the prayer of the concerned workman for adjournment as also for staying enquiry till the submission of the chargesheet in the criminal case. Subsequently the workman was dismissed from service. In the written statement the workman has formulated certain points for decision including the point as to whether the domestic enquiry was fair and proper. An award in favour of the concerned workman has been prayed for in the written statement.

9. The management appeared and filed its written statement stating therein that one Sudama Das alias Sudama Rabidas was appointed as Miner/Loader at West Mudidih Colliery who expired at Bihar Sarif Sadar Hospital on 26-1-73, which fact was not known to the then owner of the Colliery. This mine was taken over on 31-1-73 and was nationalised with effect from 1-5-73. The new management also then did not know about the death of Sudama Rabidas.

10. It has been alleged in the written statement that after the death of Sudama Das alias Sudama Rabidas, one Banshi Mochi who actually is the concerned workman, entered into the service in place of the deceased workman clandestinely and also managed to get himself transferred to Sendra Bansjora Colliery.

11. Thereafter one Keshri Devi, widow of the deceased workman represented before the R.L.C. (C), Dhanbad that her husband had expired which fact was supported by a copy of medical certificate issued by the hospital authorities. She alleged that another person, namely Banshi Mochi had obtained employment in the Colliery in place of her deceased husband. On receipt of this information, the concerned workman was stopped from duty vide management's letter dated 20-8-81 without any departmental enquiry.

12. The management acknowledged the award rendered by the Central Government Industrial Tribunal No. 3 at Dhanbad in Reference No. 18 of 1983 in which it was held that the workman was younger brother of the deceased workman, but it was also held that stopping him from work was illegal. The Tribunal directed reinstatement of the concerned workman while also ordering that the management would be at liberty, after reinstatement of the concerned

workman, to hold a regular enquiry against him and to take necessary action as deemed proper.

13. Accordingly, the concerned workman subsequently was issued a fresh chargesheet dated 24-4-85 and a regular domestic enquiry was held. The concerned workman, despite notice of enquiry, had refused to participate in the same which is evidenced by his own letters.

14. When the concerned workman did not appear on the adjourned date, the Enquiry Officer conducted the enquiry in his absence. This written statement goes to say as to how the enquiry was also adjourned on the request of the concerned workman and how the workman did not appear despite receipt of notice for the date on which the enquiry was evidently taken up ex-parte. The concerned workman was found guilty by the Enquiry Officer which was processed at higher level also. Thereafter order of dismissal was passed.

15. It may be mentioned here that since fairness of the domestic enquiry was challenged by the concerned workman, and since the management in its written statement had made a prayer to take up preliminary issue relating to the fairness and propriety of the domestic enquiry first, that preliminary issue was taken and in a detailed order dated 10-4-95 it was held that the domestic enquiry was fair and proper. Thereafter this matter has been heard on merits.

16. The points for decision are, firstly, as to whether or not the management by its evidence before the Enquiry Officer has proved that the concerned workman actually had impersonated the deceased workman, as claimed in the chargesheet and, secondly, if not, then what relief the concerned workman is entitled to.

17. As would be seen in the written statement of the concerned workman, it has been challenged that a fresh enquiry could not have ensued on the same charge on which the workman was earlier stopped from work for which Central Government Industrial Tribunal No. 3, in an award, had ordered his reinstatement with payment of back wages. A copy of the award in Reference No. 18/83, dated 30-6-84 was a part of the domestic enquiry and marked there as Ext. 2. The learned Presiding Officer of Central Government Industrial Tribunal No. 3 at Dhanbad had held that the stopping of work of the concerned workman was illegal since it was done without holding any enquiry against him or without complying with the provision of Sec. 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947. But in para 15 the learned Presiding Officer also clearly stated that the Tribunal was not called upon to decide the identity of the concerned workman in that reference as the reference was only for deciding as to whether the stoppage of work was justified.

18. In the award the learned Presiding Officer held as aforesaid and directed that the concerned workman was entitled to be reinstated in service with full back wages. The Tribunal, however, also observed as follows :

"The management, however, will be at a liberty, after reinstatement of the concerned workman to hold a regular enquiry against him and take necessary action as deemed proper."

19. Obviously the management had acted in accordance with the award when it reinstated the concerned workman, paid him back wages, and also decided to hold a regular domestic enquiry against him for the aforesaid misconduct. If in that enquiry the charge of misconduct was rightly held to have been proved, then the management was within its right to order dismissal of the concerned workman from service. Therefore, I will now go into the question as to whether or not the management by its evidence has so proved.

20. Ext. M-4 as marked by this Tribunal is the explanation of the concerned workman against the chargesheet (Ext. M-3) in which it was alleged that the elder brother of the concerned workman, Sudama Das, a Miner/Loader had died at Biharasarif Sadar Hospital on 26-1-73 which

fact was not known to the management. It further charged that the concerned workman, who was Bansri Mochi had impersonated as Sudama Das alias Sudama Rabidas after his death and had entered into service in his name, clandestinely.

21. In the explanation to the chargesheet the concerned workman had objected against the enquiry till the submission of the chargesheet in the police case. In the explanation he also requested to take up the enquiry after completion of investigation by the police. However, in this explanation the workman has not specifically stated that the charge against him was not true.

22. Before the Enquiry Officer, when enquiry started, the management's representative first gave his statement stating as to how the notice of enquiry had been received by the concerned workman. Then the management's representative also narrated the allegation of the management, in the light of award aforesaid.

23. The management first examined Keshri Devi claiming to be the widow of Sudama Das alias Sudama Rabidas of Village—Paksi, P.O. Keshouri of district Nawada.

24. Pausing here it may be mentioned that in the written statement the concerned workman has given details of the facts in Form 'B' Register in which the village has been mentioned to be Pokri in the district of Gaya. Here it may be mentioned that earlier Nawada was a part of District Gaya and subsequently it was carved out as an independent district.

25. Keshri Devi in her evidence said that her husband was working as Miner/Loader (Maikatia) at West Mudidih Colliery who had expired on 26-1-73 at the Sadar Hospital of Bihar-sarif because of T. B. Thereafter Bansri Mochi, her 'Dewar', impersonated Sudama Das and started working in his place fraudulently. She further stated that when she went to the colliery to receive the dues payable to her late husband, she came to know that Bansri Mochi was working in place of her deceased husband. She also submitted before the Enquiry Officer the death certificate of her husband as well the certificate granted by the Mukhiya and Sarpanch of the concerned Gram Panchayat. She further stated that when she time and again went to the West Mudidih colliery to receive dues of her husband, then Bansri Mochi got himself transferred to Sendra Banspora Colliery. Subsequently the Government officials took action and the concerned workman was arrested. She said that she also had deposed in the Court of law and she submitted before the Enquiry Officer the photo copy of her evidence. She claimed that Bansri be removed from service and that her son should be given service.

26. The next witness was one Ram Lakhan Das S/o late Sudama Das. He gave evidence on the same line claiming that his uncle Bansri Mochi had been working in place of his father by impersonating him. He also relied on the certificate submitted by the Mukhiya Sarpanch.

27. On being questioned by the Enquiry Officer, this witness submitted that for the first time he came to know that Bansri Mochi was working in place of his father in the year 1979 on which he had made complaint to the management.

28. This is oral evidence of the management on the record.

29. Ext. M-2, marked in the Tribunal, which was also placed before the Enquiry Officer is photo copy of the original application filed by Keshri Devi dated 28-10-80, addressed to the Mukhiya of Kesri Gram Panchayat requesting him to grant certificate about the death of her husband. There is endorsement of one Ram Nandan Sharma, stamped as Mukhiya of Gram Panchayat in which he endorsed the claim of Kesri Devi that her husband had expired on 26-1-73.

30. The certificate of death which was produced before the Enquiry Officer, dated 24-10-80 and signed by the Dy. Supdt. of Sadar Hospital, Biharsarif, one Vidyadhar Prasad, shows that one Sudama Rabidas, whose occupation was service and who was son of Foudi Rabidas of Village Poksi, P. S. Pakri Verma, Distt. Nawada, was admitted into the hospital on

21-1-73 and had expired on 26-1-73 because of T.B. Ext. No. 5, marked by the Enquiry Officer, is a certificate by Ram Nandan Sharma, Mukhiya stating that husband of Kesri Devi, Sudama Ram of Village—Pokri had expired of T.B. Similarly Ext. No. 6 appears to be the certificate granted by Sarpanch of the Gram Kachery who also had certified the same, also stating that Bansri Mochi S/o Foudi Mochi was 'Dewar' of Kesri Devi. Ext. No. 10 is another certificate by the same Mukhiya and Sarpanch with the difference that it also has a photo pasted over it, suffixed with the stamp of Mukhiya in which it was certified that Bansri Mochi S/o Foudi Mochi of Village-Poksi was well known to them. The Sarpanch specifically certified that the photo pasted thereon was of Bansri Mochi. Even in course of argument before this Tribunal, it was not denied that this photograph was not that of the concerned workman.

31. Therefore, there is sufficient evidence on record to show that one Sudama Das or Sudama Rabidas S/o Foudi Rabidas was in the service of the Company who had expired on 26-1-73. There is also sufficient evidence to show that the concerned workman, working in the name of Sudama Rabidas was actually one Bansri Rabidas.

32. In the details given in the written statement, admittedly, the concerned workman has claimed himself to be Sudama Das S/o Foudi Das. The workman who had expired also was Sudama Rabidas S/o Foudi Rabidas as also given out in the death certificate. The address also tallies though in the written statement Village has been mentioned to be Pokri whereas in the death certificate and elsewhere it is village-Poksi. But the name of the P.S. is the same, i.e., Pakri Verma. Nowhere it has been claimed by the concerned workman that in the same village there were two Sudamas and the names of their respective fathers were also Foudi. Acknowledgedly in this part the surnames sometimes differ a bit but the main thing is the name. Therefore the difference of Das and Rabidas is not very vital. The certificate granted by the Mukhiya and Sarpanch also would show that Bansri Mochi whose photograph was identified by them was S/o Foudi Rabidas of the same village and Dewar of Keshri Devi, widow of late Sudama Rabidas. It simply does not appear to be possible that in one single family two sons of a father should be given the same name. It may be noted here that the certificate granted by the Sarpanch and Mukhiya went on the record of the Enquiry Officer, unchallenged. Therefore now the workman cannot be heard to challenge their veracity. As a matter of fact in course of argument these documents have been challenged. In course of argument the concerned workman was also present in the Court Room and was identified on my request by the learned Counsel of the concerned workman. The photograph in the certificate of the Mukhiya and Sarpanch tallied with the face of the workman who was present.

33. Therefore, there is unchallenged evidence on the record that the concerned workman, after death of Sudama Rabidas had taken up service impersonating deceased workman.

34. One vital point raised by the learned Counsel of the workman was that though the management alleged that the concerned workman had expired on 26-1-73, still the widow had made complaint regarding that, through the Coalfield Labour Union, by letter dated 31-1-1981. The learned Counsel pointed out these related dates from para 6 of the copy of the award in Reference No. 18 of 1983 which is on the record of the enquiry as Ext. No. 2. The learned counsel has submitted that credence cannot be given to such a complaint made after almost 8 years.

35. There is not much force in this argument in the particular circumstances of this case. The management has admitted that it was not aware of the death of the workman in the Sadar Hospital, Biharsarif. The learned Counsel for the management has also pointed out that this was in the period when there was lot of confusion because of take over and nationalisation of coal mines. There is nothing on the record to dispute this assertion of the management that it was not aware of the death of Sudama Rabidas. But it will appear that in the year 1981 the management acted on receipt of the information of Smt. Keshri Devi and stopped him from work. Of course this stopping of work was not done in a legal manner as was held in the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in Reference No. 18 of 1983. Thereafter the management, after reinstatement of the concerned workman, conducted

a domestic enquiry in accordance with law and the dismissal order came in the wake of the report of the Enquiry Officer who had held that the charge of impersonation was proved.

36. Since the management was not aware of the death of Sudama Rabidas before receipt of the application of Smt. Keshri Devi it cannot be faulted for not taking action which it too in the year 1981. If Smt. Keshri Devi delayed in conveying this information to the management, it is she who is responsible for this, not the management.

37. It may be pointed out here that in his evidence Ram Lakhan Das S/o Sudama Rabidas had said that for the first time he came to know in the year 1979 that Banshi Mochi was working in place of his father and thereafter conveyed this to the management. It may be argued that even after that the management failed to take action upto the year 1981. But it appears that this witness was somewhat confused about the timing because he also said that when he had complained to the management, the management had stopped the concerned workman from work. Therefore, from his evidence it will also appear that the management had taken action soon after lodging of the complaint. Since the action was taken in the year 1981, it may be inferred that this complaint was made around that time.

38. It was shown in the written statement of the workman that he was issued identity card, meaning that the identity card bore his photograph. But at the same place it has also been mentioned that the identity card was issued on 3-4-75. Obviously at that time the concerned workman was working as Sudama Rabidas. Therefore this identity card cannot to the rescue of this workman.

39. If in a case it had been proved in the domestic enquiry that the concerned workman was impersonating someone else or that he could not have been in the service had he not been impersonating some other person then, in my opinion, the action by the management against such impersonation is not only justified, but also desirable, notwithstanding some delay in taking action. Because if it is not held so, this could encourage unscrupulous persons to enter into service by impersonating some one else and then make attempt to play hide and seek with the management in the hope that if they could pass sometime in such way, then their misconduct or such fraudulent act shall stand condoned.

40. In view of the aforesaid I find that the action of the management in dismissing the concerned workman from work was justified.

41. Findings make the following award:-

The action of the management of Sendra Bansjora Colliery in dismissing the concerned workman under letter dated 18-6-1988 was justified. The concerned workman is not entitled to any relief.

Under the circumstances of the case there will be no order as to the cost.

P. K. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 मितम्बर, 1995

का.आ. 2652--औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार से भारत कोकिंग कोल लि. की वसन्तीमाना कोलियरी के प्रबन्धन के संबद्ध विद्योक्तों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. I), धानबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-20012/15/89-आई आर (कोल-I)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2652.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. I), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Basantimata Colliery of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 5-9-1995.

[No. L-20012/15/89-IR (Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 121 of 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Basantimata Colliery of M/s. BCCL.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 24th August, 1995

AWARD

By Order No. L-20012/15/89-IR (Coal-I) dated 5-10-1985 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following Dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Basantimata Colliery of M/s. BCCL in denying Looseman allowance to the Trammers is justified ? If not, to what relief is the workman entitled to ?"

2. The dispute has been settled out of the Tribunal. A memorandum of settlement has been filed in this Tribunal. I have gone through the terms of settlement and I find those to be fair and reasonable. I allow the prayer and render the award in terms of the settlement. The memorandum of settlement shall form part of this award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

P. K. SINHA, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL. NO. 1,
AT DHANBAD

Reference No. 121/89

Employers in relation to the management of Basanti-
mata Colliery.

AND

Their Workmen.

Petition of Compromise

The humble petition on behalf of the parties to the
above reference most respectively sheweth :—

1. That, the above dispute has been amicably settled
between the parties on the following terms :—

Terms of Settlement

- (a) That, the present reference is arising on the demand
of the union for payment of Looseman Allowance
to the trammers of Basantimata Colliery. As the
system of riding over the ascending or descending
set of tubs and giving signal from running set of
tubs has been stopped long back, the demand for
payment of looseman allowance is not pressed.
- (b) That, the management has already considered all
aspects of working of Trammers of Basantimata
Colliery and fixed the piece-rated wages for Tram-
mers and there exists no dispute to claim for loose-
man allowance. Hence the demand for looseman
allowance is not pressed.
- (c) That, the management agrees to provide more
work and better facilities to piece rated workers to
enable them to earn more piece-rated wages per
day.

2. That, in view of the aforesaid settlement, there exists
no dispute for adjudication.

Under the facts and circumstances, stated above, the
Hon'ble Tribunal will be graciously pleaded to hold the
settlement to be fair and proper and be placed to pass the
Award in terms of the settlement.

For the workmen :

1. Sd/- Illegible.
(Asstt. Secretary)
RCMS

2. Sd/- Illegible.

For the Employers :

1. Sd/- Illegible.
2. Sd/- Illegible.

Witnesses :

1. Sd/- Illegible.
2. Sd/- Illegible.

Part of the Award.
Sd/-
Presiding Officer

नई दिल्ली 6 सितम्बर 1995

का.आ. 2653.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय
सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबंध
नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट
औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण
जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार
को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एन-12012/681/86-डी II(ए)/आई.आर.बी. II]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2653.—In pursuance of Section 17 of the Industrial
Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government
hereby publishes the award of the Central Government
Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in
the industrial dispute between the employers in relation to
the management of Central Bank of India and their work-
men, which was received by the Central Government on
5-9-1995.

[No. L-12012/681/86-D.II (A)IR (B-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(15)/1988

BETWEEN

Shri Tarachand Nagpure, Messenger, represented through
the Asstt. Secretary, State Bank of India and
Subsidiary Bank Employees Union C/o SBI,
Chhindwara (MP).

AND

The Regional Manager, Central Bank of India, Chhind-
wara (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management—Shri G. C. Bhatia, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Chhindwara (MP)

AWARD

Dated, the 27th July, 1995

This is a reference made by the Central Government,
Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/681/
86-D.II (A) dated 1-2-1986, for adjudication of the following
industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Central
Bank of India Arri Branch, Distt. Seoni in terminat-
ing the services of Shri Tarachand Nagpure, Messen-
ger with effect from 25-5-84 and not considering
him for further employment under Section 25-H of
the I. D. Act is justified ? If not, to what relief
the workman concerned is entitled ?"

2. The case of the workman Union is that the workman,
Shri Tarachand Nagpure, was appointed as Messenger in
Arri Branch on 13-5-1980 against the permanent vacant
post and he continuously worked for more than 240 days
upto 25-5-1984; that the management has retrenched him
without paying the compensation and notice. The work-
man has prayed for reinstatement with full back wages.

3. The case of the management is that the workman was
appointed on temporary basis and he has not completed
continuous service of 240 days during the 12 calendar months
under Section 25-F and as such he is not entitled for reinstate-
ment.

4. On 29-11-1990, terms of reference workman in the issue
in the cast and the case was fixed for evidence. Since
then enumerable opportunities were given to the workman.
The workman has failed to adduce any evidence to substan-
tiate his case. In the last two hearings none appeared for
the workman.

5. Consequently, it is held that the workman has failed to prove that his termination from service was unjustified. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.आ. 2654—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं आई.सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-17012/53/85/डी-IV—(ए)/आई.आर.बी. II]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2654.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 5-9-1995.

[No. L-17012/53/85-D.IV (A)/IR (B-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE -

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(56)/1986

[Referred vide Notification No. L-17012/53/85-D.IV (A) dated 24-6-1986]

BETWEEN

Shri D. S. Verma, 104, G.H. Scheme No. 54, Mig. Indore.

AND

The Divisional Manager, LIC of India, Indore (MP)

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—In person.

For Management—Shri Shankar Dey.

INDUSTRY : LIC DISTRICT : Indore (MP)

AWARD

Dated, the 1st August, 1995

The workman, Shri D. S. Verma, was employed as Assistant in Mhow Branch of the L.I.C. of India and the workman was chargesheeted on 31-1-1983 on the allegation of cheating and defrauding the Corporation for an amount of Rs. 15,240 by fabricating the insurance policy. Management after conducting the departmental enquiry against the workman, dismissed the workman from service.

2. The Ministry of Labour made the aforesaid reference and the statement of claim and written statement of the parties were filed.
2274 GE/95—7

3. My learned predecessor vide Award dated 15-12-1987 concluded that the domestic equity held against the workman was fair, proper and legal and the workman was rightly held guilty for the charges. It was further held that the dismissal was justified.

4. Workman file M.P. No. 554/88 before the Hon'ble High Court of M.P. and vide Order dated 28-8-90 the Hon'ble High Court allowed the petition and the order of terminating the service of the workman was set aside. It is further observed by the Hon'ble High Court that the opportunity to the workman to cross-examine the hand writing Expert, Shri Sarvate, be given by the Enquiring Officer.

5. The management made Special Leave Petition to the Hon'ble Supreme Court against the Order of Hon'ble High Court in SLP No. 148-149/91 dated 14-5-1993 has set aside the impugned Judgment dated 28-8-90 in M.P. No. 554/88 of the Hon'ble High Court.

6. The management has filed a petition that in view of the order dated 14-5-1993 in SLP No. 148-149/91 the case be closed. The reply of the workman that the Hon'ble Supreme Court has passed the ex parte order on 11-9-1993 and that the notice to the workman was not issued by the Hon'ble Supreme Court. The workman has alleged that in view of the order of the Hon'ble High Court dated 28-8-90 the opportunity should be granted to the workman to cross-examine the hand writing Expert which was illegally denied by the Enquiring Officer.

7. In the Order dated 14-5-1993 of the Hon'ble Supreme Court, it is clearly stated that the impugned Judgment dated 28-8-90 of the Hon'ble High Court was set aside. Consequently, the Award dated 15-12-1987 passed by the Tribunal regarding the dismissal of the workman held justified will remain in force; unless the order is passed by the Hon'ble Supreme Court reviewing its own order dated 14-5-1993, this Tribunal has no jurisdiction to entertain this case. Thus the application of the management to close the proceedings of this case is hereby allowed.

8. In view of the order dated 14-5-1993 in SLP No. 148-149/91 the case is hereby filed.

Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.आ. 2665—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. के प्रबंधन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. I) बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-30012/32/87-डी-III(बी)/आईआर

(कोल-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2655.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. I), Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bharat Petroleum Corporation Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 5-9-95.

[No. L-30012/32/87-D.III(B)/IR(Col-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. S. Verma, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-20 of 1988

PARTIES:-

Employers in relation to the management of Bharat
Petroleum Corporation Ltd., Bombay.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management.—Shri Pota, Advocate.

For the Workman—Workman in person.

INDUSTRY : Petroleum.

STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 28th day of August, 1995

AWARD (Part-II)

Government of India in the Ministry of Labour by its order dt. 15-3-1988 has referred the following dispute for adjudication of this Tribunal.

"Whether the action of the management of the Bharat Petroleum Corporation Ltd. in dismissing Shri Ramnath J. Tiwari, Watchman at its Wadilube Installation, Bombay, from service with effect from 5-2-1987 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?"

2. The workman filed his statement of claim. The employer also filed its statement of claim. The matter was eventually heard by the then Presiding Officer Hon'ble Justice S. N. Khatri who passed the Award-Part-I on 5th of October, 1990 whereby inquiry held against the workman was found to be vitiated.

3. The finding was challenged by the employer Corporation by filing writ Petition No. 1123 of 1991 before the High Court of Bombay. The said Writ Petition came to be dismissed by the Hon'ble High Court on 14-10-94. Thereafter, it appears, that the employee Shri Tiwari approached the employer Corporation to explore the possibilities of settling the matter by way of negotiations. In pursuance of this request a settlement took place between the parties on 25th day of August, 1995. The terms of settlement are as follows :

Terms of Settlement

1. The Corporation agrees to pay to Mr. Tiwari the sum of Rs. 1 lakh.
2. Mr. Tiwari will accept the said sum in full and final settlement of all his claims against the Corporation and confirms that he has no claim of whatsoever nature against the Corporation including any claim for reinstatement or re-employment.
3. It is also agreed that an application will be made to the Central Industrial Tribunal in reference No. CGIT-20 of 1988 for making an award in terms of this settlement."

4. In pursuance of the aforesaid settlement an Application has been filed by the parties before me for passing an Award in terms of the settlement. Both the parties has filed the settlement before me which has been duly attested by me. In view of the aforesaid settlement, the reference is answered in terms of settlement. An award is made accordingly. Copies of the Award may be sent for publication in accordance with law and rules.

R. S. VERMA, Presiding Officer

Name of Parties :

Bharat Petroleum Corpn. Ltd.,
Udyog Bhavan,
Walchand Hirachand Marg,
Ballard Estate,
Bombay-400 038.

AND

Mr. R. J. Tiwari

This Settlement made this 25th day of August 1995 between Bharat Petroleum Corporation Ltd. (hereinafter referred to as the Corporation) and Mr. R. J. Tiwari.

Whereas Mr. R. J. Tiwari was dismissed from the services of the Corporation on 5-2-1987;

And whereas Mr. Tiwari raised an industrial dispute which was referred by the Central Government to the Central Industrial Tribunal for adjudication being Reference No. CGIT No. 20 of 1988 :

And whereas the Industrial Tribunal by its order dated 5-10-1990 held that the enquiry held against Mr. Tiwari was not fair and proper;

And whereas the Corporation being aggrieved by the said judgement and order filed Writ Petition No. 1123 of 1991;

And whereas the said Writ Petition came to be dismissed by the Hon'ble High Court by its judgement and order dated 14-10-1994;

And whereas Mr. Tiwari approached the Corporation to explore the possibility of settling the matter;

And whereas pursuant to discussions and negotiations the parties have arrived at the following settlement to the intent that it shall be binding on them in terms of section 2(r) read with section 18(1) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Now this settlement witnesseth and it is hereby agreed by and between the parties hereto as follows :—

Terms of Settlement

1. The Corporation agrees to pay to Mr. Tiwari the sum of Rs. 1 lakh.
2. Mr. Tiwari will accept the said sum in full and final settlement of all his claims against the Corporation and confirms that he has no claim of whatsoever nature against the Corporation including any claim for re-instatement or re-employment.
3. It is also agreed that an application will be made to the Central Industrial Tribunal in Reference No. CGIT-20 of 1988 for making an award in terms of this settlement.

Bombay, dated the 25th day of August, 1995.

For Bharat Petroleum

Corporation Ltd.

Witnesses :

R. J. TIWARI

Witnesses :

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.आ. 2656—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार विलासपुर रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 6 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/204/91-आई आर बी आई]

पी.जे. माडकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2656.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 6-9-1995.

[No. L-12012/204/91-IRBI]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

CASE REF. No. CGIT/LC(R)(174)/1991

BETWEEN

Shri Beharilal Yadav S/o Shri Sohan Lal Yadav, Granv Post Sirri, Thana Abhenpur, District Raipur (MP).

AND

The President, Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Dayalbandh, Bilaspur (MP-495001).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri A. S. Gaharwar, Advocate.

For Management : Shri V. N. Mishra.

INDUSTRY : Banking. DISTRICT : Bilaspur (MP).

AWARD

Dated : August 16, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/204/91-IR (B-3) dated 23/27-9-71, for adjudication of the following industrial dispute :—

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank in relation to their Sirri Branch in terminating the services of Shri Biharilal Yadav S/o Shri Sobhanlal Yadav w.e.f. 7-4-91 and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under section 25-H of the I.D. Act is justified and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. The case of the workman is that he was appointed in Sirri Branch of Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Raipur as Sweeper-cum-Waterman with effect from 11-11-1989 and that he has worked for more than 409 days, but his services were illegally terminated. Workman has further leaded that he was again employed by the management as Sweeper-cum-Waterman w.e.f. 8-4-1990 and that his services were illegally terminated on 7-4-1991. Then workman has pleaded that on both the occasions he has continuously worked for more than 240 days and his services were illegally terminated without giving the statutory notice and without paying him the retrenchment compensation. Workman has prayed for reinstatement with full back wages.

3. The case of the management is that the Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank is controlled by the provisions of the Central Government which is the Bank of India and the sponsoring Bank State Bank of India; that the Government in exercise of the powers under Sec. 17 read with Sec. 29 of Kshetriya Gramin Bank Act, 1976, had been issuing the circulars for the appointment of part-time employee for limited number of hours to meet the exigencies of work in the Bank, that the workman, Biharilal Yadav, was appointed as part-time daily

rated employee for four hours in a day; that he has not continuously worked for 240 days in a calendar year. The management has further pleaded that the workman has suppressed the fact with regard to his qualification. Management has alleged that the workman has no legal right for reinstatement.

4. Terms of reference were made the issue in the case. Workman examined himself and the management has examined Shri V. N. Mishra and produced documents Ex. D/1 to Ex. D/9 to prove their case.

5. Shri Biharilal Yadav has stated that he has worked from 11-11-89 to 7-4-91 and he used to work for the full day. Shri Biharilal Yadav has not stated that he has worked for 240 days in a calendar year. Shri Biharilal Yadav has also not produce oral or documentary evidence to prove that he has worked continuously in a calendar year for 240 days. As against this, management witness, V. N. Mishra, has stated that the workman has not worked for more than 240 days and he was a part-time sweeper and he used work only for 4 hours in a day. Receipt Ex. D/1 to Ex. D/6 of the payment of wage to the workmen are admitted by the workman and he has further admitted in his cross-examination that the receipts bear his signatures. From Ex. D/1 to Ex. D/6 it is clear that the workman was paid for working only for four hours in a day. Consequently, it is clear that the workman was a daily rated employee for 4 hours in a day and he has not worked for 240 days continuously in a calendar year.

6. From the management documents Ex. D/7 and Ex. D/8 it is clear that the Government of India, Ministry of Finance, issued the Circulars for the appointment of Sweepers/Messengers in the Regional Rural Banks on purely part time and daily rated basis. Consequently, from the statement of Shri V.N. Mishra and the documents filed by the management, it is clear that that the workman Biharilal Yadav, was a daily rated temporary employee for working as sweeper for four hours in a day. The termination of the services of such workmen are not covered by the definition of the retrenchment under Section 2(oo)(bb) of the I.D. Act and they are not entitled to claim the benefit of Sec. 25F of the I.D. Act. They are also not entitled for retrenchment on account of the violation of the provisions of Sec. 25F of the I.D. Act.

7. The Hon'ble Supreme Court in case of Madhyamik Siksha Parishad Vs. Anil Kumar (1994-II-LLJ/977) has held that the persons working on ad hoc post which was not sanctioned has no right for regularisation because such persons have no status under the I.D. Act on the basis of completion of 240 days service.

8. In case of P.S. Anitha Vs. Asstt. Director of Tea Development Board, Kotayam (1995 Lab.IC 37), Director, Institute of Management Development Vs. Pushpa Srivastaya (AIR 1992 SC 2070) & Surendra Kumar Gyani Vs. State of Rajasthan (AIR 1993 SC.115) it is held that the termination of the service of the casual employee on the expiry of the contract does not amount to retrenchment. The Circulars Ex. D/7 and Ex. D/8 by which the workman was employed appear to be fair and there is no evidence to show that the terms of appointment were improper or unjust. Consequently, the workman is not entitled for the reinstatement firstly because it is not proved that he

worked for 240 days in a calendar year and secondly because in view of the terms of contract his termination is not covered by the definition of retrenchment.

9. The action of the management in terminating the services of Shri Biharilal Yadav S/o Shri Sobhanlal Yadav w.e.f. 7-4-91 and not considering him for further employment is just and proper reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली 6 सितम्बर, 1995

का.आ. 2057—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ।

[संख्या एन-41011/7/89आई आरबी-I]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2657.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-1995.

[No. L-41011/7/89-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(235)/1989

BETWEEN

S/Shri Kishori Lal and 16 Ors. Bungalow No. 126, Simrol Road, Mhow, District Indore (MP)-452001.

AND

The Divisional Railway Manager (East) Western Railway, Ratlam (MP)-457001.

PRESENTED IN :

Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workmen—None.

For Management—Shri Parmar.

INDUSTRIAL Railways

DISTRICT : Ratlam (MP)

AWARD

Dated, the 3rd August, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-41011/7/89-D-II (B) dated 30th October, 1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the stoppage from work of Shri Kishorilal and 16 others i.e. S/Shri Jagdishpuri Padampur, Nandkishore Gendalal, Ramdayal Bhikha, Bahasdur Prag, Shivkaran Mahangu, Saiyed Mujawar Ali, Badri Menuram, Kanhaiyalal Kaluram, Bherulal Mangilal, Chanrikaprasad Satyanarayan, Sitaram Ramautar, Suresh Radhelal, Ramesh Madanlal, Ghanshyam Pannalal, Prem Gulab and Shyamlal Nanaka by the IOW/AEN Western Railway, Mhow is justified. If not, to what relief the workman are entitled for?"

2. The case of the workmen is that they were working from 1983 till their services were illegally terminated without notice.

3. The management has alleged that the workmen have already received the employment and they are not interested in pursuing the dispute.

4. The case was for filing the documents and the written statement by the workman on 28-1-1991 and since then the workmen appeared only once on 1-10-1991. The workman has not filed the rejoinder and documents. Consequently, it is clear that the workmen are not interested in pursuing the dispute. As such, no dispute award is passed. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.आ. 2658—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इन्दोर के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 6 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/242/89-आई आर बी-IV]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2658.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-1995.

[No. L-12012/242/89-IR (B-III)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(262)/1989

BETWEEN

Shri Ramesh Chandra Rathore, 216, Luhar Road, Ratlam (MP)-457001.

AND

The Dy. General Manager, State Bank of Indore, Zonal Office, 163, Kanchan Bada, Indore (MP).

PRESIDED IN :

Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Shri A. S. Gaharwar, Advocate.

For Management—Shri S. K. Rao, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Ratlam (MP)

AWARD

Dated, the 7th August, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/242/89-IR (B-III) dated 13-12-1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Asstt. G.M., State Bank of Indore, Indore, in not providing employment to Shri Ramesh Chandra Rathore (Designation) Peon, after 13-7-1988 (date of termination) and whether his said termination, is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Admitted facts of the case are that the workman, Shri Ramesh Chandra Rathore, was appointed on 4-4-78 as a temporary Peon in the Bajajkhan Branch of the State Bank of Indore (now known as Topkhana Branch) at Ratlam.

3. The case of the workman is that he has worked as a temporary Peon from 4-4-78 to 13-7-78 and his services were terminated without giving him notice. The workman has prayed for reinstatement with back wages.

4. The case of the management is that the workman was appointed purely on temporary basis and his appointment was for a specified period. Management has further alleged that by virtue of the provisions in Desai Award the workman who was a casual worker is not entitled for his regularisation. The management has stated that the provisions of Section 25-G and H are not applicable because the workman has not worked 240 days during the period of 12 calendar months.

5. Terms of reference was made the issue in the case.

6. The workman has not led any evidence to prove his case. The Hon'ble Supreme Court in case of Madhyamik Siksha Parishad, U.P. Vs. Anil Kumar Mishra and Ors. etc. (1994-II-LLJ p 977) has held that the persons working on ad hoc assignment which was not sanctioned have no right for regularisation and as such the workman has no status under the I.D. Act for regularisation on the basis of working of 240 days. Admittedly, the workman has worked only for 68 days as temporary Peon. The workman has not worked against the permanent vacancy. Consequently, the termination of the service of the workman was justified. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.प्र. 2659—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार बिलासपुर रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधसं

के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जयनपुर के पंचपट को प्रस्तावित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 6 सितम्बर, 1995 का प्राव है।

[तद्व्याप्त-12012/27/88-आर्.डी.आर.वी. 1]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2650.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-1995.

[No. L-12012/27/88-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(113)/1988

BETWEEN

Shri Ramkhilawan Premi S/o Babulal Premi, Village Pangaon, Tar Khosla, District Bilaspur (MP).

AND

The Chairman, Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Bilaspur (MP).

PRESIDED IN :

Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management—Shri Maindiretta, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Bilaspur (MP)

AWARD

Dated, the 16th August, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/27/88-D-IV (A)/D-III (A) dated 25th October, 1988, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether removal/dismissal from service of Shri Ramkhilawan Premi by the management of Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Bilaspur is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The admitted facts of the case are that the workman, Shri Ramkhilawan Premi, was appointed in the Bank as Clerk-cum-Cashier on 17-5-1978 and he had worked at the Pasa Branch of the Bank from September 1979 to June 4, 1982. It is also a common ground that the charge-sheet dated 19-10-1985 was issued against the workman on the allegation that he had embezzled Rs. 2238.30 which was received by him from seven customers for credit to their respective accounts. It is not in dispute that the departmental enquiry concluded on 25-8-1986 and the services of the workman were terminated vide the impugned order dated 25-5-1987.

3. The case of the management is that the Head Office of the Bank received many complaints during 1981-82 from customers against Shri Premi, Clerk-cum-Cashier, that he had received money under acknowledgments from them and he had not credited the amount into their respective accounts; that in the domestic enquiry eight witnesses were examined by the management and the defence taken by the workman was that the alleged misconduct of misappropriation was committed by him under the instructions of Shri Sahu, the then Bank Manager; that the workman was dismissed from the service by the Disciplinary Authority and the appeal of the workman to the Board of Directors of the Bank was also rejected on 5-12-1987.

4. The case of the workman is that the false allegation of the embezzlements was levelled against him and during the domestic enquiry the opportunity to the workman to examine Shri A. K. Sahu, Branch Manager, was not provided. The workman has alleged that the finding of the Enquiry Officer is perverse and the workman deserves reinstatement with back wages.

5. Following are the issues in the case :—

ISSUES

1. Whether the enquiry is proper and legal ?
2. Whether the management is entitled to stand evidenced before this Tribunal ?
3. Whether the charges of misconduct are proved on the facts of the case ?
4. Whether the punishment awarded is proper and legal ?
5. Relief and costs ?

6. Issue Nos. 1 and 2—The domestic enquiry was held proper and legal by order dated 15-6-1995. Consequently, Issues No. 1 and 2 are answered in favour of the management.

7. Issue No. 3—The management has examined the customers of the Bank, Smt. Inderkunwar Bai Gond to prove that Rs. 800 deposited by her in the month of January 1982 was not credited in her account and similarly the management has examined Kamal Singh to show that Rs. 100 deposited by him in the month of September, 1981 was not credited in his account. The management has examined Shyam Lal, Tirath Prasad Amar Singh, Kundan Lal and Sk. Munir-Mohd. to prove that the amount deposited by them were not credited in their account. From the statement of these witnesses and their account books and from the admission of the workman, Shri Premi, it is proved beyond reasonable doubt that the workman, Shri Ramkhilawan Premi, as Cashier of the bank, received the amount from these depositors and the entry in their Pass Book was made to the effect by the workman, Shri Premi. The management has filed the Ledger of the said depositors and from the Ledgers it is clear that the amount was not deposited in the bank by Shri Premi, the workman.

8. Consequently, it is clear that Shri Premi while working as Cashier of the Bank received the amount from the various depositors and even after making the entry in the Pass Books the amount was not credited by the workman in their Ledgers. It is not in dispute that the duty of the Cashier was to make the relevant entry in the Ledgers and to deposit the amount in the Bank. The appropriation of the amount by the workman is embezzlement and the misconduct. The defence of the workman is peculiar, ridiculous and per se not tenable. The workman, Shri Premi, has taken the defence that the amount was not deposited by him and credited in the Ledger Book as per instructions of the Branch Manager, Shri A. K. Sahu. There is no evidence to this effect that Shri A. K. Sahu issued such illegal instructions. However, even a lay man will not accept such instructions of the embezzlement of the Bank amount and the plea of the workman who was the Cashier of the Bank that the Bank money was misappropriated on the instructions of the Branch Manager is palpably false.

9. The learned Enquiry Officer has rightly held that the gross misconduct of the embezzlement was proved. The learned Disciplinary Authority has also dealt with all the charges; and the evidence of the management and the defence, and rightly concluded that the findings of the Enquiry Officer were just and proper. The absurd and ridiculous defence of the workman along with the bank record i.e. Pass Books and the Ledgers proves beyond reasonable doubt that the workman is guilty of gross misconduct of the embezzlement of the bank amount. Issue No. 3 is answered in favour of the management.

10. Issue No. 4—Integrity of the employee in the bank institution must be unquestionable and embezzlement of the Bank amount shakes the trust and confidence reposed by the customers in the Bank.

11. Doctrine of proportionality envisage that the punishment should commensurate with the gravity of the offence. Such flagrant and admissible misconduct of embezzlement by the Cashier needs the extreme punishment of dismissal without tears. Looking to the gravity of the offence the management was right in dismissing the workman from the service. Issue No. 4 is held in favour of the management.

12. Issue No. 5—The action of the management in dismissing the workman, Shri Ramkhilawan Premi, is just and proper. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का.भा. 2660—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ इन्दौर के प्रबन्धसूच के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एले-12012/31/89-आई आर(बी आई)]

पी. जे माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2660.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-1995.

[No. L-12012/231/89-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(261)/1989

BETWEEN

Shri Laxman Das Agarwal, In front of Kothi No. 8, Motibaba Road, Shivpuri (MP).

AND

The Regional Manager, State Bank of Indore, Bhopal Zonal Office, Roor house, 4 Maharana Pratap Nagar III, Bhopal (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workman—In person.

For Management—Shri S. K. Rao, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Bhopal (MP)

AWARD

Dated. the 3rd August, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/231/89-IR (B-III) dated 13-12-1989, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of R.N. State Bank of Indore, Bhopal, in not providing employment to Shri Yaxman Das Agarwal, (Designation Peon), after the 20-11-1982 (Date of termination) and whether his termination, is justified? If not, to what relief the workman is entitled for?"

2. The case of the workman is that on 2-11-1982 he joined the Shivpuri Branch as a Peon and he was on probation against the permanent post; that his services were illegally terminated on 20-12-1982.

3. The case of the management is that the workman was appointed as a temporary peon for 19 days against the temporary vacancy caused due to the temporary absence of a workman.

4. Terms of reference was made the issue in the case.

5. The workman has not led any evidence to prove his case. The management has filed the documents to show that the workman was appointed temporarily due to the temporary absence of the permanent employee. Consequently, the action of the management in terminating the services of the workman was justified. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY. Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

का. आ. 2661—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार बिलासपुर रायपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 6 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/179/91-आई आर (बी आई)]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2661.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-1995.

[No. I-12012/179/91-IR (B-I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)/(152)/1991

BETWEEN

Shri Sunderlal alias Mannulal Sahu S/o Shri Golu Ram Sahu, C/o Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Branch Kondkara, Teh. Rajim. District Raipur (MP).

AND

The Chairman, Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Dayalbandh, Bilaspur (MP)-495001.

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Himself.

For Management—Shri V. N. Mishra.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Bilaspur (MP)

AWARD

Dated, the 16th August, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/179/91-IR (B-3) dated 20-8-1991, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bilaspur Raipur Kshetriya Gramin Bank in relation to their Kondkara Branch in terminating the services of Shri Sunderlal alias Mannulal Sahu, Part Time Sweeper-cum-Waterman w.e.f. 1-1-1991 and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under Section 25-H of the I. D. Act is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The case of the workman, Shri Sunderlal alias Mannulal Sahu, is that he was appointed as Messenger in the year 1988 at Kondkara Branch of Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank and he has worked for two years upto 1990; that the management has terminated his services from January 1990 and the statutory notice and compensation was not paid to the workman. The workman has prayed for reinstatement with full back wages.

3. The case of the management is that the workman was appointed on purely temporary part time daily rated basis for doing the work of Sweeper-cum-Waterman for four hours in the Bank. The management has denied the workman has continuously worked for two years. Management has further pleaded that the workman was a part time daily rated employee and his employment was terminated on each day on the close of Bank working day. The management has further alleged that the Board of Director of Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank after consultation with the State Bank of India by which their Bank has been sponsored has framed the rules for temporary appointment of the part time daily rated employees; that the services of the workman were

terminated as per terms of contract and the workman is not entitled for any relief.

4. Terms of reference were made the issue in the case and the workman examined himself and that the management has examined Shri V. N. Mishra and produced documents Ex.D|1 to D|7.

5. Workman, Sunderlal Sahu, has stated that he was appointed by the Bank for the work of Sweeper. He has worked continuously from 1-12-1988 to 31-12-1990. Sunderlal Sahu has admitted his signatures on receipt Ex. D|1 to Ex. D|5. From Ex. D|1 to Ex. D|5 it is clear that the workman has worked only for four hours in a day and he was paid for only four hours working. Consequently, the contention of the workman, Sunderlal Sahu, that he has worked for the full day is against the documents signed by the workman. Sunderlal Sahu has not examined witness or produced any document to show that he has continuously worked for more than 240 days in a calendar year. As against this, from the statement of the management witness, V. N. Mishra, it is clear that the workman has not worked for 240 days and as per terms of contract he was a temporary and daily rated employee for four hours in a day. From the management documents Ex.D|6 and Ex.D|7, it is clear that the Government of India, Ministry of Finance, has issued the Circulars for the appointment of Sweepers/Messengers in the Regional Rural Banks on purely part time and daily rated basis.

6. Consequently, from the statement of Shri V. N. Mishra and the documents filed by the management, it is clear that the workman, Sunderlal Sahu, was a daily rated temporary employee for working as a Sweeper for four hours in a day. The termination of the services of such a workman is not covered by the definition of the retrenchment under Sec.2(oo)(bb) of the I.D. Act and as such workman is not entitled to claim the benefit of Sec. 25F of the I.D. Act, and such workmen are also not entitled for reinstatement on account of the violation of the provisions of Sec. 25F of the I.D. Act. The Hon'ble Supreme Court in case of Madhyamik Siksha Parishad Vs. Anil Kumar (1994-II-LLJ p. 977) has held that the persons working on ad hoc post which was not sanctioned has no right for regularisation because such persons have no status under the I.D. Act on the basis of completion of 240 days service.

7. In case of P. S. Anitha Vs. Asstt. Director of Tea Development Board Kotayam (1955 Lab. I.C. 37), Director, Institute of Management Development Vs. Pushpa Srivastava (AIR 1992 Sc. 2070 & Surendra Kumar Gyani Vs. State of

Rajasthan (AIR 1993 SC. 115) it is held that the termination of the service of the casual employee on the expiry of the contract does not amount to retrenchment. The Circulars Ex.D|6 and Ex.D|7 by which the workman was employed appear to be fair and there is no evidence to show that the terms of appointment were improper or unjust. Consequently, the workman is not entitled for the reinstatement firstly because it is not proved that he worked for 240 days in a calendar year and secondly because in view of the terms of contract his termination is not covered by the definition of retrenchment.

8. The action of the management is terminating the service of Shri Sunderlal alias Mannulal Sahu Part Time Sweeper-cum-Waterman w.e.f. 1-1-1991 and not considering him for further employment was just and proper. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 सितम्बर 1995

का.आ. 2662—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मापाकौशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्तर्ग्रह में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/68/89-आईआरबीआई]
पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th September, 1995

S.O. 2662.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Ushetriya Gramcen Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 6-9-95.

[No. L-12011/68/89-IR(BI)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer.

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(16)/1990

BETWEEN

Shri Niranjana Singh Reghuvanshi, Clerk-cum-Cashier, C/o Shri P. N. Sharma, 551, Gorakhpur, Jabalpur-482001(MP).

AND

The Chairman, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Head Office, 164, Shivajiward (Civil Lines), Narsinghpur (MP)-487001.

PRESIDED : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri P. N. Sharma.

For Management : Shri Raroria.

INDUSTRY : Banking. **District :** Narsinghpur (MP).

AWARD

Dated : July 28, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12011/68/89-IR(B) Dated 11-1-1990, for adjudication of the following industrial dispute :—

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Narsinghpur in terminating the services of Shri Niranjan Singh Raghuvanshi, Clerk-cum-Cashier, from 31-7-1988 in violation of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified. If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the workman is that he was employed as a Clerk-cum-Cashier at Branch Office Sarsla, District Narsinghpur on 25-5-1987 and his services were terminated by the management on 31-7-1988 without giving him the required notice under Sec. 25F of the I.D. Act. Workman has prayed for reinstatement.

3. The case of the management is that the workman was engaged during the year 1987 on daily wage basis for temporary period; that his appointment was not on sanctioned post; that his services were utilised because of temporary and casual requirement; that the services of the workman were terminated as he was no longer required.

4. Terms of reference was made the issue in the case.

5. Workman has not led any evidence and absented himself on the date of evidence. Management has filed an affidavit of Shri Mahendra Kumar Tiwari. From the evidence of the management, it is clear that the workman was appointed on daily wages on temporary basis with the understanding that he will be regularised after the selection by the management; that the workman failed to succeed in the test. Consequently, the termination of the workman is justified. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer.

नई दिल्ली 8 सितम्बर 1995

का.आ. 2663—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार असिस्टेंट इंजीनियर (फोन्स), नागपुर के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच श्रुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8 सितम्बर, 1995 का प्राप्त हुआ था

[संख्या एल-40012/25/87-डी-II(बी)]
के.बी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2663.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Asstt. Engineer (Phones), Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-95.

[No. L-40012/25/87-D.II(B)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(51)/1988

BETWEEN

Shri Sunil Baribhau represented through the President, All India P & T Employees Federation, Tiratna, 62, Old Subhedar Lay-out Extension, Nagpur (MS).

AND

The Assistant Engineers (Phones), Nagpur (MS).

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : None.

For Management : Shri Chattani.

INDUSTRY : P & T. **Distt. :** Nagpur (MS).

AWARD

Dated : August 7, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40012/25/87-D.II(B) dated 17/19-5-1988 for adjudication of the following industrial dispute :—

THE SCHEDULE

"Whether the action of the Assistant Engineer (Phones) Nagpur in terminating Shri Sunil

Baribhau from service with effect from 14-2-1987 is legal justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the workman is that he has worked as daily wages Class IV Employee in the industrial establishment of the management from 1-9-1985; that the workman has continuously worked for 545 days in one and half year; that the services of the workman were illegally terminated and as such he is entitled for reinstatement with back wages.

3. The case of the management is that the workman has not continuously worked for 545 days, but he has worked 438 days with several breaks; that the workman was appointed on daily rated basis for the casual nature of work on temporary basis; that his services were not required as there was no work; that the management has not violated the provisions of Sec. 25F of the I.D. Act. Workman is not entitled for any relief.

4. Terms of reference were made the issue in the case.

5. The workman has failed to prove his case in spite of repeated opportunities. Workman has not continuously worked for 545 days as alleged and as such, it is not proved that his termination from service was unjustified. Workman is not entitled for any relief. Reference is answered in favour of the management. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2664—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज फैक्ट्री, जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचवट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-14012/32/87-डी.2(बी)]

के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2664.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 8-9-95.

[No. L-14012/32/87-D-2(B)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(97)/1988

BETWEEN :

Shri Halke, represented through the President,
Adivasi Mahasangh, Jabalpur (M.P.).

AND

The General Manager, Gun Carriage Factory,
Jabalpur (M.P.).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri J. L. Saraf, Advocate.

For Management : Shri B. De'Silva, Advocate.

INDUSTRY : Gun Factory DISTRICT : Jabalpur
(M.P.)

AWARD

Dated : August 17, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/32/87-D-2(B) Dated 4th September, 1988, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“क्या गन कैरिज फैक्ट्री, जबलपुर (एम.पी.) के प्रबंधन की श्री हालके, आरम्भ श्री भोले टी. नं. एम.टी. गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर की 10-5-55 से सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई व्यापक है। यदि नहीं, तो कर्मकार किम अनुबंध का हकदार है।”

2. Admitted facts of the case are that the workman, Shri Halke, was appointed in the Gun Carriage Factory in the year 1963 as Lister Driver and that on account of the absenteeism the workman was dismissed from service with effect from 10-5-85.

3. The case of the workman is that sometimes in the year 1983 the workman lost his only son and therefore he became mentally ill and could not attend the duties on account of the treatment of his illness; that the management has not issued the Charge-sheet and without giving opportunity to the workman dismissed him from service with effect from 10-5-1985. The workman has prayed for reinstatement in service.

4. The case of the management is that during the period from June 1983 to November, 1983 the workman, Shri Halke, absented himself from duty without the prior sanction of leave or intimation for the period of 140 days; that the charge-sheet was issued against the workman on 5-3-1984; the workman again remained absent from duty unauthorisedly for a period of 133 days from 14-3-1984 to 24-7-1984 and again charge-sheet was issued to the workman; that the domestic enquiry was conducted against the

workman and on the basis of the report of the Enquiry Officer the General Manager who is the disciplinary authority imposed the penalty of removal from service. The management has further alleged that the Ordnance Factory, Jabalpur, is not an industry and the I.D. Act is not applicable to the management.

5. Following are the issues framed by my learned predecessor :—

ISSUES

1. Whether the domestic/departemental enquiry is proper and legal. If not its effect ?
2. Whether this Court has no jurisdiction to try this case ?
3. Relief and costs.

6. Issue No. 1 : The management has filed the enquiry papers and the finding of the Enquiry Officer. The workman has failed to show that the principles of natural justice were violated during the domestic enquiry.

7. The case was posted for the evidence of the parties on 24-10-1989 and since then more than five years not a single witness was examined or appeared for the workman. However, notices were again sent to the workman for the appearance and in spite of the service of the notice the workman remained absent on 18-8-94, 7-9-94, 11-7-95 & 27-7-95. The workman has admitted in para 3 of his statement of claim that he was absent from duty. Explanation of the workman is that on account of the death of his son he lost his mental balance and was unable to attend the duty. There is nothing on the record to substantiate the defence taken by the workman or to show that the domestic enquiry held against the workman was defective. Consequently, the management has committed no mistake in terminating the services of the workman for the unauthorised absence.

8. The management has not pressed the issue that the Ordnance Factory is not an industry. From the nature of the work of the Ordnance Factory and the number of workmen employed by the factory prima facie it is clear that the Ordnance Factory, Khamaria, is covered by the definition of industry under the I. D. Act.

9. Consequently, reference is answered against the workman and the termination of the service of the workman with effect from 10-5-85 is held just and proper. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2665—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबन्धन के संबंध निर्यात और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 30 अगस्त, 1995 को प्राप्त हुआ था ।

[सं.एल-22012/237/91-आई आर (सी-II)]

राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2665.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd and their workmen, which was received by the Central Government on the 30-8-1995.

[No. L-22012/137/94-IR-CII]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri A. Hanumanthu, M.A., LL.B.,
Industrial Tribunal-I.

Dated : 22nd day of June, 1995.

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 83 OF 1995.

BETWEEN :

The Vice President, S.C. Coal Mines,
Labour Union (INTUC) Srirampur,
Adilabad. Petitioner

AND

The General Manager,
Singareni Collieries Company Limited,
Srirampur, Adilabad. Respondent

APPEARANCES :

Sri William Burra, Advocate for the Respondent.

Non for the Petitioner.

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 made by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. 22012/237/94-I.R. C.II, dated 7-10-1994 for adjudication of the industrial dispute appended in the schedule which reads as follows:—

“Whether the action of the management of S.C.C. in not accepting the request of the workmen for postponement of their date of promotion from 1-2-87 to 1-3-87 is just and fair? If not, to what relief the workmen are entitled to?”.

The said reference is registered as Industrial dispute No. 83 of 1994 on the file of this Tribunal.

2. This Tribunal issued notice dated 29-10-1994 to both the parties with a direction to appear and

file claim statement and counter on 6-12-1994. On 6-12-1994 both the parties were called absent though notice served on them. Since then the matter was adjourned from time to time and on 19-4-1995 the Respondent filed its counter and for filing claim statement, the matter was adjourned to 15-5-1995. On 15-5-1995 claim statement not filed. The petitioner called absent and no representation on behalf of the Petitioner and the Petitioner, was set exparte. For enquiry, it was posted to 22-6-1995. On 22-6-1995 the Counsel for the Respondent submitted that he has no evidence as the Petitioner remained exparte. The petitioner at whose instance this reference was made, is not taking any interest and the petitioner remained exparte.

3. From the perusal of the docket sheet, it is clear that the Petitioners have not evinced any interest in the matter. Since the Petitioners are not interested in prosecuting this case, I hold that the Petitioners are not entitled to any relief and the reference is closed.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 22nd day of June, 1995.

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I
Appendix of Evidence
NIL

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1975

का.आ. 2666—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-8-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-22012/246/94-आईआर (सी-II)]
राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2666.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 30-8-1995.

[No. L-22012/246/94-IR C II]
RAJA LALA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri A. Hanumanthu, M.A., LL.B.
Industrial Tribunal-I.

Dated : 22nd day of June, 1995.

INDUSTRIAL DISPUTES NO. 85 OF 1994

BETWEEN :

The Vice President, S.C.M.L.U.,
Sriampur, Adilabad ... Petitioner

AND

The General Manager, S.C. Co. Ltd.,
Srirampur, Adilabad. ... Respondent

APPEARANCES :

Sri William Burra, Advocate for the Respondent.

None for the Petitioner.

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) & (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 made by the Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. 22012/246/94-I.R.C.II, dated 7-10-1994 for adjudication of the industrial dispute appended in the schedule which reads as follows:—

"Whether the action of the management of SCCL in not accepting the request of Sh. M. Satyanarayana for postponement of his date of increment is fair and just? If not, to what relief is the workman entitled for?"

The said reference is registered as Industrial Dispute No. 85 of 1994 on the file of this Tribunal.

2. This Tribunal issued notice dated 29-10-1994 to both the parties with a direction to appear and file claim statement and counter on 6-12-1994. On 6-12-1994 both the parties were called absent though notice served on them. Since then the matter was adjourned from time to time and on 19-4-1995 the Respondent filed its counter and for filing claim statement, the matter was adjourned to 15-5-1995. On 15-5-1994 claim statement was not filed. The petitioner called absent and there was no representation on behalf of the Petitioner and the petitioner was set exparte. For enquiry the matter was posted to 22-6-1995. On 22-6-1995 the Counsel for the Respondent submitted that the Respondent has no evidence as the petitioner remained exparte. The petitioner at whose instance this reference has been made is not taking any

interest to pursue the matter and the petitioner remained *exparte*.

3. From the perusal of the docket sheet, it is clear that the Petitioners have not evinced any interest in the matter. Since the Petitioners are not interested in prosecuting this case. I hold that the Petitioners are not entitled to any relief and the reference is closed.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 22nd day of June, 1995.

NIL

A. HANUMANTHU, Industrial Tribunal-I,
Appendix of Evidence

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2667—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उच्च सी एल के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-21011/27/87-डी III (बी)]
राजालाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2667.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of W.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-9-95.

[No. L-21011/27/87-D-III(B)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (MP)

Case Reference No. CGIT/LC(R)(3)/1988

BETWEEN

28 Security Guards (as per list) represented through Shri C.K. Reddy, General Secretary, WCL Mazdoor Sangathan, Behind

Savari Gungalow, Naginabaugh, P.O. & Distt. Chandrapur (MS).

AND

The Sub-area Manager, Hindustan Lalpeth Colliery, M/s. Western Coalfields Ltd., P.O. Babupeth, District Chandrapur (MS).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workmen : None.

For Management : Shri A.K. Shasi, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Chandrapur (MS)

AWARD

Dated : August 7, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-21011/27/87-D.III(B) dated 18-12-1987, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the management of Hindustan Lalpeth Colliery of M/s. Western Coalfields, Ltd., P.O. Babupeth, District Chandrapur (MS) is justified in denying regularisation as Security Guards to the 28 workmen (as per list attached) ? If not, what relief the workmen concerned are entitled to ?”

LIST

1. Shri Idu Nasir
2. Shri Katwaru Dwarka
3. Shri Babulal Singh
4. Shri Mahadeo Pandilwar
5. Shri Durgayya Mallayya
6. Shri Kuber Puran
7. Shri Ganpat Paikaji
8. Shri Ganpat Dadaji
9. Shri Naimai Mandal
10. Shri Parashuram Hanmanthu
11. Shri Basirkhan Gulab Khan
12. Shri Mallayya Yellayya
13. Shri Vasudeo Mahadeo
14. Shri Gajanand Ramu
15. Shri Madoli Rayalingu
16. Shri Manohar Shyamrao
17. Shri Tulanram Somba
18. Shri Singaveli Komarayya
19. Shri Dubba Rayalingu

20. Shri Paranandi Narsayya
21. Shri Rogula Narsinga Reddy
22. Shri Ragula Yella Reddy
23. Shri Ghantala Pocham
24. Shri Vasant Vithu
25. Shri Samba Bajirao
26. Shri Tatipalli Rayamallu
27. Shri Puran Mohan and
28. Shri Raja Komerayya.

2. The case of the Union is that 28 workmen (as per list Annexure I) filed with the statement of claim had worked for more than three years on the post of Security Guards; that inspite of repeated notices the management has refused to provide the pay scale of Security Guard to the workmen and the management has also not regularised the workmen.

3. The case of the management is that these 28 workmen was permanent mazdoors and interested in getting the job of Security Guard and the application moved to the management for being permitted to work as Security Guard initially for the purpose of training and understanding the job; that the post of Security Guard is a promotional post; that on the basis of the report of the Committee the General Mazdoors are promoted on the post of Security guards; that these workmen were not found fit for the post of Security Guard and as such they are not entitled for the absorption on the post of Security Guards simply on the ground that they have worked on the post of General Mazdoors.

4. The case was fixed for filing the documents by the Union; that the union appeared in the case only once on 31-1-92. Thereafter, in last more than three years inspite of repeated opportunity granted to the union neither the union nor workmen have cared to contest the case. However, it is an admitted fact that these 28 workmen were not promoted or appointed as Security Guards; that these 28 workmen who were General Mazdoors are claiming promotion to the post of Security Guard simply on the basis that they had worked as Security Guard for the same period. The case of the management is that they have worked as Security Guard on their own volition. Promotion is a managerial function. Workman is not entitled to claim promotion as of their right. Consequently, it is held that the action of the management in denying the regularisation as Security Guards to these 28 workmen was just and proper. Reference is answered in favour of the management. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2668.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू सी एल के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अतिक्रमण, जबलपुर के पक्षपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-22012/119/83-डी-III (बी)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2668.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of W.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-9-95.

[No. L-22012/119/83-D-III(B)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(92)/1993

BETWEEN

Shri Sadashiv Zibhal and others represented through the Secretary, Rashtriya Koyala Shramik Sangh, Gandhi Mazdoor Kar-yalaya, Abhyankar State, Mahal, Nagpur-2(MS).

AND

The Sub-Area Manager, Sillewara Colliery of W.C. Ltd. Post Sillewara, Nagpur (MS).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workmen: Shri R.N. Mokadey.

For Management : Shri Anjani Saran.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Nagpur (MS)

AWARD

Dated : July 27, 1995

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification

No. L-22012/119/83-D.III.B/IR(C.II) dated 20-4-1993, for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Sillewara Colliery, Sillewara Sub Area of M/s. Western Coalfields Ltd., in deny-in promotion of S/Shri Sadashiv Zibhal, Chandrabhan Edbaji, Mohan Kachru and Shamrao Sitaram, Mech. Fitters is legal and justified ? If not to what relief the concerned workmen are entitled to and from which date ?”

2. In spite of several opportunities the workman has not filed the statement of claim. However, on 21-7-1995 the representative of the Union appeared and prayed for the withdrawal of the case and to pass no dispute award. Workmen are not interested in pursuing their case, no dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.आ. 2669. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एनईसीसीएल के प्रबन्धसूत्र के संबद्ध नियोक्ता और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण गोहाटी के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5 सितम्बर, 1995 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल.-22012/192/89-मार्गार(सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th September, 1995

S.O. 2669.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Guwahati as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of NECC Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-9-95.

[No. L-22012/192/89-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BY THE INDUSTRIAL TRIBUNAL :
GUWAHATI : ASSAM

Reference No. 14(C)/89

PRESENT :

Shri J. C. Kalita B.A. (Hons) LL.B.

Presiding Officer,

Industrial Tribunal, Guwahati,

In the matter of an industrial dispute between :

The Management,

North Eastern Coalfields Coal India Ltd.

Margharita.

—Versus—

Their workmen represented by General Secy.
Janata Mazdoor Sangha, Baragolai, Dibrugarh.

AWARD

The reference arising out of the Government notification No. L-22012(192)/89-IR(C.II) dated 11-12-89 relates to the dispute indicated in the schedule below :—

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of North Eastern Coalfields of Coal India Ltd., Margherita (Assam) in dismissing Sri Suresh Acharjee, General Mazdoor, is justified ? If not, to what relief the workmen concerned is entitled ?”

On receipt of notice both the parties appeared and filed their written statement before the Tribunal. When the case came up for hearing both the parties concerned however amicably settled the dispute. On 18-8-95 the learned counsel for the workmen appeared before this Tribunal with a petition that the dispute pending is settled outside the court. Management has agreed to reinstate the workmen with immediate effect, and the workmen agreed to the proposal without claiming the back wages.

The workmen now desires to withdraw the claim and that effect a petition marked ‘X’ has been also filed the Tribunal. The petition is therefore accepted and an award is hereby passed in terms of the petition mentioned above. The case is disposed of accordingly on this 18th August, 1995 under my hand and seal.

J. C. KALITA, Presiding Officer

Sd/- J. C. KALITA

Marked ‘X’

Sd/- Shri J. C. KALITA

Presiding Officer

Industrial Tribunal, Assam,
Guwahati

Before the Industrial Tribunal of Assam at
Guwahati :

Ref. No. 14(C)/89

Management of North Eastern Coalfields of
Coal India Ltd., Margharita.

—Versus—

Their workmen represented by General Secy.
Janata Mazdoor Sangha, Baragolai, Dib-
rugarh.

The humble application on behalf of workman
Most Respectfully Sleweth :—

1. That this reference case was drawn up
against termination of service of the workmen.

2. That the management has agreed to reinstate
the workman if the present case is withdrawn.
Since the workman is out of employment and is
suffering for longtime, the workman has accepted
the proposal, and as such there is no dispute also—

Under the circumstances it is prayed that the
Hon'ble Tribunal may be pleased to dis-
pute the reference as on withdrawal and
for may pass such further and other
order and also as your honour may deem
fit and proper.

And the workman as in duty bound shall ever
pray.

Sd.-Suresh Acharjee
Workman
Sd/-N. Choudhary
Advocate

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1995

का.मा. 2670 —औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय
सरकार इन्ड्यूसीएल के प्रबन्धन के संवत्स नियोजकों और
उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद
में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को
प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-9-95 को प्राप्त
हुआ था।

[सं. एल-22011/2/85 डी-iv])
राजालाल, हेड ऑफ अधिकारी

New Delhi the 11th September, 1995

S.O. 2670.—In pursuance of Section 17 of the
Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the
Central Government hereby publishes the award
of the Central Government Industrial Tribunal
Jabalpur as shown in the Annexure in the indus-
trial dispute between the employers in relation to
the management of W.C. Ltd. and their workmen,
which was received by the Central Government
on the 5-9-95.

[No. L-22011/2/85-DV]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (MP).

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(27)/1986

BETWEEN :

The General Secretary, Azad Koyla Shramik
Sabha, Chirmiri Area Branch, P. O.
Dauma Hill Colliery, District Surguja
(MP).

AND

The General Manager, Chirimiri Area of
W.C.L.C., P.O. Chirimiri Colliery,
District Surguja (MP).

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For A.K.K.S. : Shri Dukhram Bharadwaj.
(for all 45 workmen)

Other applicants :

For 28 applicants : Shri S. S. Tiwari, Advoca-
cate.

For K. S. Sabha : Shri R. N. Srivastava &
Shri R. S. Jha.

For N.C.W.F. : Shri Rohit Arya, Advocate.

For other union/applicants : Smt. Sukhar-
juba Boral.

Shri D.D. Thakur

Shri Ganga Pd. Tripathi.

For Management : Shri P.S. Nair, Advocate
& Shri Mukhyopadhyaya.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Surguja
(MP).

AWARD

Dated : August 19, 1995

This is a reference made by the Central Gov-
ernment, Ministry of Labour, vide its notification
no. L-22011(2)/85-D.V. Dated 30th January,
1986, for adjudication of the following industrial
dispute :

SCHEDULE

Whether the action of the management of
Chirimiri Area of Western Coalfields
Limited, P.O. Chirimiri Colliery, Distt.
Surguja (MP) in not giving an opportu-
nity to the workers (listed in the An-
nexure to the Schedule), subsequent to
their termination from services is justi-
fied? If not, to what relief are these
workers entitled?"

Subsequently, vide another Notification No. L-22011/285-D.V. dated 14th November, 1986 the Ministry of Labour sent the list of the following 45 workers :

LIST OF WORKERS

Sl. No.	Name	Father's Name
1.	Sri Samin Ansari	Sri Unnis Miyan
2.	Sri Manharanlal	Sri Daras Ram
3.	Sri Mahettarug	Sri Muritram
4.	Sri Jagarnath	Sri Pitambar
5.	Sri Jamaluddin	Sri Md. Miyan
6.	Sri Mansoor	Sri Eltaph
7.	Sri Bajir	Sri Idrish
8.	Sri Badriprasad	Sri Lallaram
9.	Sri Lalitkumar	Sri Nanku Pd.
10.	Sri Baratu	Sri Gulab
11.	Sri Umashankar	Sri Dukhiram
12.	Sri Lala	Sri Khelbahara
13.	Sri Rajkumar	Sri Bhajoram
14.	Sri Prahlad	Sri Pancharam
15.	Sri Mahettaru	Sri Khelbahara
16.	Sri Dharamlal	Sri Marhu
17.	Sri Ashok Kumar Singh	Sri Kapildev
18.	Sri Badheyshyam	Sri Panchram
19.	Sri Lakhan Prasad	Sri Budhram
20.	Sri Narayan	Sri Tulsiram
21.	Sri Bhagchand	Sri Mahatar
22.	Sri Ishwarlal	Sri Gadhram
23.	Sri Mahadev	Sri Madu
24.	Sri Bharat	Sri Khiko
25.	Sri Rambilash	Sri Sagar
26.	Sri Sonsai	Sri Govind
27.	Sri Achha	Sri Bharat
28.	Sri Tikeram	Sri Panchram
29.	Sri Gectaram	Sri Baldeo
30.	Sri Bishnath	Sri Bahuram
31.	Sri Ramnath	Sri Nanku
32.	Sri Anujram	Sri Sundersai
33.	Sri Teras	Sri Jageshwar
34.	Sri Kaviraj	Sri Mangal
35.	Sri Bhagrathi	Sri Gopi
36.	Sri Bijay	Sri Choudhary
37.	Sri Punia	Sri Ananda
38.	Sri Pradasi	Sri Babaji
39.	Sri Agadhu	Sri Kanu
40.	Sri Dhannu	Sri Narsingh
41.	Sri Anand	Sri Mukumsai
42.	Sri Yudhusthir	Sri Govind
43.	Sri Vishun Pd.	Sri Ramdhin
44.	Sri Navadhan	Sri Bhawani
45.	Sri Paakaj	Sri Dima Badhu

2. The case of the Union is that the 45 workers were employed in the capacity of General Mazdoor in Cat. I of N.C.W.A.I. by the management of Western Coalfields Limited, Chirimiri Area in the year 1975; that the 45 workmen were deployed in so many places like fire area sidings as trammers, belt mazdoors, bucket man and telephone line repairers; that these mazdoors were also deployed in loading and unloading jobs; that these 45 workers had worked from the 2274 GI/95-9.

year 1975 to December 1980 continuously for five years and their services were terminated without giving notice or holding the departmental enquiry; that the management have not complied with the principal of last come first go and the management has also not paid retrenchment compensation to these 45 workmen. It is further alleged by the union that the termination of services of these 45 workmen was without following the procedure laid down in the Industrial Disputes Act. It is, therefore, illegal and the case of unfair labour practice. It is further alleged that the Azad Koyla Shramik Sabha is a registered union of the workmen. These 45 workmen were employed on various jobs and were paid only Rs. 4.50 per day which is not in accordance with the service conditions of the workmen. The Union has prayed that these 45 workmen are entitled to get wages from the year 1975 to 1980 and that they be reinstated with all other incidental benefits.

3. The case of the management is that there was no employer and employee relationship between the persons named in the annexure of the reference; that there was no material before the Central Government to show that the persons named in the annexure at any stage were in the employment of the management. The management has prayed that in absence of the employer-employee relationship they could not raise the dispute and therefore the reference is not tenable.

4. The management has alleged that the details of the alleged terminated 45 workmen is not given and it is also not stated that when and by whom they were employed, the management has alleged that the reference is in respect of non-existing fact and it is not specific and vague. The management has also alleged that the annexure of the reference does not indicate the place of working, period of working and the post on which the alleged persons were employed and as such it is not possible to make the specific averments regarding the employment of these 45 workmen. The management has stated that the names of these 45 workers are not in Form B Register or Attendance Register. The management has stated that no vacancies exist in the Chirimiri Area and as such The management is not in a position to employ the fresh candidates. The management has pleaded that the alleged 45 persons were not employed in Chirimiri Area and as such the question of terminating their services or giving relief to these workers does not arise.

5. The Union/workmen has not filed the rejoinder. Terms of reference was the issue in the case. Management has examined only one witness viz. Y.N. Srivastava. Union examined only two witnesses viz. Jagannath (W.W.1) and Bhagirath (W.W.2).

6. The Presiding Officer Shri V.S. Yadav passed the Award on 27-6-88. It was held therein that the Union failed to prove that 45 workmen have worked from 1975 to 1980 and the reference was answered against the workmen.

7. The Union, Azad Koyla Shramik Sabha, Chirimiri Area filed the Petition No. 3958/88 before the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh and vide Order dated 2-8-89 the Hon'ble High Court observed that the Tribunal committed an error of jurisdiction by examining the question whether 45 persons mentioned in the Schedule had ever been employed as the workmen by the management and the case was remanded to the Tribunal for deciding the only issue whether after termination of their services these 45 workmen they were entitled to be re-employed by the management.

8. After remand of the case, the Presiding Officer, Shri V. N. Shukla, vide Award dated 19-12-1989 ordered the reinstatement of 45 workmen with full back wages and all consequential reliefs.

9. The management moved the Petition before the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh and the Hon'ble High Court by Order dated 12-12-1994 in M. P. No. 1662/90 remanded the case to the Tribunal for deciding that who are these workmen to entitle for employment, for the identity of the workman and determining the question relating to the entitlement and quantum of back wages (Please see para 7, 8, 9 & 14 of the Order).

10. The opportunity was given to the parties to the reference and other unions and workmen appeared before the Hon'ble High Court.

11. In view of the directions of the Hon'ble High Court vide order dated 12-12-1994, paras 7, 8, 9 & 14, the following are the points for consideration :

POINTS

1. Whether the 45 workmen detailed in the annexure of the reference are those workmen who are entitled for the re-employment & whether the identity of these 45 workmen is established?
2. Whether these 45 workmen are entitled for the back wages?

12. From the perusal of the annexure of the reference detailed in para 1 of this award, it is clear that the age of the workmen, caste, place of residence or their permanent address is not stated therein. The Union has filed the statement of claim, but the age, caste, temporary or permanent address or address of the place where they

have worked is not supplied by the Union. The objection of the management in the written statement in so many words was that the reference is bad and not specific and the details of the workman were not supplied. Management further alleged in para 1 at page 2 of the written statement that in absence of the particulars regarding the place of working, period of working, post on which the workmen had worked, it is not possible for the management to raise the specific averments.

13. The Union has not supplied the required details of each workman. It is alleged in para 5 of the statement of claim that these 45 workmen were deployed in loading and unloading jobs, as bucket mazdoors etc. But the statement of claim is not specific which of the workmen have worked on the jobs of loading and unloading & which workmen worked as belt mazdoors etc. The date or month from which these 45 workmen were employed has also not detailed in the statement of claim. The Union has also not supplied that documents along with the statement of claim to show the place of residence of each workman proof of their age, caste and any such details to fix their identity.

14. The reference was received by the Tribunal on 24-2-86 and after nine months on 27-11-86 the annexure to the Schedule of reference was received disclosing only the name & father's name of the 45 workmen. In spite of the objection of the management to fix their identity & in spite of the fact that the identity of the workmen was vague in the annexure, the union made no efforts, whatsoever, to supply the details; regarding the age, caste, etc. etc. to fix the identity of these workmen. As against this the Union in the statement of claim has not specifically mentioned the jobs which these workmen were doing and from the month or date from which they were employed, the date on which services of these workmen were terminated. The Union has not given any explanation of not supplying of the names of these 45 workmen to the Commissioner or to the Government at the time of raising the dispute.

15. Union has examined only two witnesses to prove the case. These two witnesses, viz. Jagannath (W.W.1) and Bhagirath (W.W.2) have contradicted the statement of claim regarding the year of the employment of 45 workmen. According to the statement of claim these workmen were employed in the year 1975, while these two witnesses, Jagannath and Bhagirath, repeatedly stated in their examination-in-chief that the 45 workmen were employed in the year 1976.

16. Consequently, it is clear that the union has wilfully suppressed the details of 45 work-

men which was essential to establish the identity. In the annexure supplied with the reference, the required details of 45 workmen are not given to fix their identity. This grave lacuna in the statement of claim and the annexure of the reference is not due to the oversight by of the union, but it appears to be a mischief. Because of these glaring defect the management was deprived of conclusively establishing that the alleged 45 workmen have never worked in their colliery.

17. The Union filed application dated 15-9-1987 for production of the documents in order to prove that these 45 workmen had actually worked in the colliery. From the order-sheet, it is clear that on 26-10-1987 the reply was filed by the management. The stand of the management as per para 2 of their reply dated 26-10-1987 was that the Attendance Register from 1975 to 1980 and vouchers and cash books from 1975 to 1980 are extremely bulky and as the workmen were not working with the management, there is no attendance register or vouchers in respect of these workmen. In spite of this reply, the Union made no efforts to press the application for the production of the documents. The Union has not prayed the Court to ask the management to produce the Attendance Registers, Vouchers or Cash books. The Union has also not made the prayer for the inspection if these documents to get the photo or certified copies of the relevant vouchers, cash books, relating to these workmen. This was extremely necessary for the Union to establish the identity of the workmen. In view of the annexure of the reference and the laconic statement of claim by the Union it was expected from the Union to ask the Court to direct the management to file the Attendance Registers, Cash Books, Vouchers of these workmen.

18. Looking to the manner which the particulars of the workmen to establish their identity was suppressed, in the statement of claim by the Union, I venture to observe that the Union is guilty of manipulative silence. It is certainly a mischievous silence.

19. In the Award dated 27-6-88 the learned Presiding Officer has observed that the reference is bad for vagueness and the Union has failed to prove that these 45 workmen had worked from 1975 to 1980. In the second Award dated 19-12-89 the learned Presiding Officer in last line of para 16 and para 25 of the Award has observed that the reference is vague. The Award does not give the details of the persons to fix the identity of the 45 workmen. It is a settled principle that the suit relating to the immovable property the identity of the property should be clear either in the plaint or in the decree for the effective execution and implementation. In case of a dispute about the identity of the property the map is got to be prepared under 2274 GI/95-10.

Order 26, Rule 9 of C.P.C. by appointment of the commissioner to pass the effective decree and judgment and to make it implementable. Similarly, in case of reinstatement, the identity of the workmen should be clear either from the statement of claim, terms of reference or from the Award. In this reference, there is no evidence, what-so-ever, oral or documentary, to establish the identity of the workmen. The Union has wilfully not supplied the details to establish the identity. Even from the reference or the Award the identity of the 45 workmen cannot be fixed.

20. In case of Workmen of M/s. Shalimar Works Ltd. Vs. M/s. Shalimar Works Ltd. (AIR 1959 S. 1271) it was observed that if the reference is bad inasmuch as no names of the workers are given, the order refusing the relief was just and proper. In para 13 of the judgment the Hon'ble Supreme Court has observed that the list of the workmen supplied was so bad that industrial tribunal did not think it worthwhile to act upon and due to such vagueness the workmen are not entitled for reinstatement.

21. In case of Management of Tocklai Experimental Station Vs. The Workmen and another (AIR 1962 SC p. 1340) at the last of para 6 it is observed that where the statement of claim and the award are vague then the Award is not maintainable. Following are the observation made in para 6 of the judgment :—

..It is rather surprising that even when the tribunal by its award wanted to grant the demand for puja bonus it did not think it necessary to clarify at what rate the said bonus was to be paid. The award is absolutely vague in that behalf and that is another infirmity in the award, since that is the only point in Civil Appeal No. 459 of 1960 preferred by the Station we must hold that the appeal succeeds and must set aside the award made by the tribunal under issue No. 1(a)."

In spite of my sustained efforts to find out the required details of the workman to establish the identity, I find nothing either in the statement of claim, award and annexure of the reference to fix the identity of the 45 workmen. The Union has produced the photo copies of the attendance registers of these workmen and Shri Jagannath (W.W. 1) and Bhagirath (W.W.2) were examined to prove these documents. The originals of the attendance registers have not been produced. From where and how these photo copies were prepared by the Union is not clear. Both witnesses, Jagannath (W.W.1) and Bhagirath (W.W.2) in the cross-examination has admitted that they have not prepared the photo copies of the documents Ex. W/1 to Ex. W/25, Following are the admissions

made by Jagannath and Bhagirath in their cross-examination:—

“Ex. W/1 to Ex. W/25 were not got photographed by me but by Shri Dukhiram, Neta. I have not seen the original. It is not true that these are the forged documents. I cannot say whether these photographs are taken by joining two documents together. Except these documents I have no documentary proof that I have worked with the management. I have no documentary evidence to show that my services were terminated.”

Learned Presiding Officer in his Award has also observed that these documents are forged. The tribunal has passed the award in favour of the workmen on the strength of the adverse inference against the management for not producing the documents and on the basis of the observation made by the Hon'ble High Court in the order dated 2-8-89 that in view of the terms of reference the tribunal has no jurisdiction to examine the fact that 45 workmen were the employees of the management. Consequently, from the documents filed by the parties, the exact details to fix the identity of the workman cannot be ascertained.

22. It is observed in case AIR 1958 SC 512 at page 517 and AIR 1961 (MP) 324 at page 328 that the vague and uncertain contracts are void. Condition of defeasance must be clear and unequivocal so as to be operative and where terms of agreement are vague in the extreme and might be interpreted in many ways as there are interpretations, then the agreement must be considered as void because of uncertainty. It is observed in case of AIR 1959 (AP) 551 at page 557 and AIR 1971 (A11) p. 494 that where the terms are not capable of being made certain and so uncertain that performance of it is never enforceable, then it is void for certainty under Sec. 29 of the Contract Act. Consequently, on account of absolute vagueness and non-availability of iota of clinching evidence to establish the identity of 45 workmen, I hold that it will be hazardous to establish the identity by recording the oral evidence. The Industrial Tribunal is the first Court of Justice and then Court of Law. The public money is not for undue enrichment of undeserving persons.

23. It is already observed that the Union is guilty of mischievous silence and suppressing the vital facts to establish the identity of the workmen. In this back drop to extend the relief of reinstatement to the workmen is not called for because it is hazardous and fraught with risk, and it will also adversely affect the administration, industrial peace and incite the unscrupulous workman to commit forgery and cheating.

24. The identity of fictitious, imaginary and non-existing persons can never be established. In this back drop of the case, the Tribunal will be groping in dark to find out the non-existing workman and it will be a search of a black cat in the dark room which does not exist.

25. The Hon'ble Supreme Court in case of AIR 1959 SC 1217 (supra) in para 13 has observed that after considerable lapse of time the Tribunal would be justified in refusing the relief of reinstatement to avoid the dislocation of industry.

26. This case was sent to the Regional Labour Commissioner (Central) Jabalpur for the identification of 45 workmen. Before the Labour Commissioner for these 45 workmen more than 200 claimants filed the case. More than four persons of the similar name and parentage made the application. That on account of the non-availability of the original documents or the details of the workmen, in whose favour the award was passed, the R.L.C.(C) was not in a position to fix the identity inspite of several hearings in more than six months.

27. Shri R. N. Srivastava has filed about 30 applications along with affidavits to show that the persons were the actual workmen who had worked from 1975 to 1980. All these workmen are resident of Bihar. From para 12 of the statement of claim, it is clear that these workmen were local persons and the workers who have come from different states were recruited, but these local persons were not given the employment. Consequently, the claim made by Shri R. N. Srivastava for the workmen who are from Bihar is not in accordance with the statement of claim. The dispute was raised by the Azad Koyla Shramik Sabha, but during enquiry other unions have brought their workers to show that they were amongsts 45 workmen detailed in the award.

28. Koyala Shramik Sabha has also filed affidavits of 33 persons and no explanation is given of raising the dispute after inordinate delay of more than 20 years.

29. Shri S. S. Tiwari, Advocate, brought 28 persons alleging that they are the real workmen. Photographs of the workman are filed along with the application.

30. Shri Dukhiram Bharadwaj has stated on oath that the workmen who came to report that they are the real workmen have never worked in the colliery. Shri Dukhiram Bharadwaj is the General Secretary of the Azad Koyla Shramik Sabha which raised the industrial dispute and was a party in the reference. Most of the workers appearing in the Court were from the appearance of the age of about 25 years and their statement than 20 years back i.e. 1975 they have worked for five years is per se false and concerned. All the Union leaders and the management made a joint prayer in the Court of file

the criminal case against the persons who have filed the false affidavits claiming that they are the real workers. No doubt as per reference only 45 persons were the real claimants and rest of more than 150 have filed the false affidavit. The criminal action against the remaining 150 persons is not called for because young boys of 25 years who were in Court were of different States and they were poor innocent unemployed and some of the workmen appeared to be probably the victim of the false assurance to provide them the employment by the gang or mafia groups working in the colliery.

31. Navdhan Dubey was examined and from his statement it is clear that his age is 30 years and in the manner he has avoided to answer regarding the employment it is clear that he has never worked in the colliery.

32. None of the workman has produced any documents of the management to show that they have worked in the year 1975 to 1980 in the colliery. However, Shri Dukhiram Bharadwaj, General Secretary, Azad Koyla Shramik Sabha, Chirimiri Area, has stated that the case was initiated by him and he used to work in the Chirimiri Colliery and that the workers who were brought by Shri Tiwari, are not the real workers who are referred in the reference. Shri Ram Shanker Jha has also stated that he is working in Chirimiri Colliery for last 28 years and none of the workers who has appeared in the case as an intervenor have worked in the colliery. Shri S. S. Tiwari, Advocate, appeared for 28 workmen and from the order sheet dated 16-3-95 it is clear that the 28 workmen have first time appeared in 1993 and these workmen were never appeared before the Court before 1993 in the reference. On 16-2-95 Shri R. S. Jha and Mrs. S. Boral and Y. B. Dwivedi for the unions and the workman appeared and they have admitted that there is no document whatsoever to establish that the workmen have worked in the year 1975 to 1980. They further made the joint prayer that the 17 persons who have been given employment are impersonators. They have further stated that identification is possible only by the local police or by the C.B.I. and it is difficult for the Court to identify these persons. However, Smt. Sukhjua Boral was examined and she has clearly stated that she has never seen these workers in the colliery right from 1975 and these claimants have never worked in the colliery. Nothing exist in the cross-examination of Smt. Sukhjua Boral to doubt her statement. Shri Ram Shanker Jha has stated that he is the President of Koyla Shramik Sabha of Chirimiri Area and there is no record to show that these workmen have worked in the colliery. There is nothing in the cross-examination of Shri R. S. Jha to doubt his statement. Shri Dukhiram Bharadwaj also stated that five unions who have made the claim before the Tribunal has never raised the dispute before

passing of the Awards and their workmen have never worked in the colliery.

33. From the above discussions, it is clear that there is no evidence to establish the identity of 45 workmen referred to in the Award. However, in view of the glaring omission regarding the details of the workman in the statement of claim, it is not at all possible to fix the identity of the alleged workmen.

34. Consequently, it is held that there is not an iota of evidence to establish the identity of 45 workmen and as the union has wilfully suppressed the details required to fix the identity, it is not possible in any manner to establish the identity of these persons.

35. Some unions and more than 100 workmen have made unabashed and abominable attempt to establish the identity of alleged workmen by filing false affidavits and forge documents. All this bungling with impunity has happened because there was not an iota of evidence regarding details and address of these 45 workmen in the statement of claim or in the award. The Union has wilfully not supplied the full address of these workmen either before the Labour Commissioner or during the reference or in the statement of claim. The contention of the management that the union has supplied the fictitious name of 45 workmen is fortified by the record of the management and all the attending circumstances of the case. Consequently, it is impossible to fix the identity of real 45 workmen because of the following reasons :—

- (1) Union has wilfully suppressed the details of 45 workmen from the inception of the case till the award was passed.
- (2) There is nothing in annexure of the reference or statement of claim of the Union or in the award to establish the identity of workmen named in the reference.
- (3) The attempts to establish the identity were made by various unions and workmen after more than 10 years or raising the dispute and many have filed forged documents and false affidavits.
- (4) To guard the justice from such onslaught by unscrupulous unions and to prevent the attempt of plundering the public money and to foster the industrial peace, it is necessary that the identity of these workmen should be established beyond reasonable doubt and not on the basis of preponderance of probabilities. There is no clinching details and evidence to establish the identity of 45 workmen and as such it is held that the award has become infructuous because of vagueness due to incomplete details of identity of 45 workmen therein.

(5) Doctrine of absolute freedom of contract has to yield to the higher claim of social justice. In dealing with industrial matter, it does not adopt a doctrinaire approach and refuses to yield blindly to abstract notion but adopt a realistic and pragmatic approach. It is observed in case of Bombay Labour Union Vs. International Franchises (P) Ltd. 1966-I-LLJ 417 (419) (SC), Orissa Cement Ltd. (1960-II-LLJ 91 (SC) that industrial tribunal can create new obligation or modify old ones, if it is found necessary in the exigencies of situation.

36. Consequently, it is held that the 45 workmen referred in the annexure of the reference by the Ministry of Labour, are not identified and as such not entitled for their reinstatement.

37. The identity of these 45 workmen is incapable of being established for want of required details to identify them. That the claim of these 45 workmen for their reinstatement and wages is not tenable and it is hereby rejected. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1995

का.आ. 2671.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 16-9-95 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध बिहार राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

क्र.सं.	राजस्व ग्राम का नाम	राजस्व थाना की संख्या	जिला
1	2	2	4
1.	मिरचाई	328	कटिहार
2.	डहरिया	98	कटिहार
3.	दुर्गापुर	104	कटिहार
4.	बेगाना	83	कटिहार
5.	तियरपारा	82	कटिहार
6.	सैफगंज	103	कटिहार
7.	बेगाना	102	कटिहार
8.	ढालान	77	कटिहार
9.	मधुरा	162	कटिहार
10.	मजेली	79	कटिहार

[संख्या : एस-38013/55/95-एसएस-1]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 14th September, 1995

S.O. 2671.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 16th September, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Bihar namely:—

Sl. Name of the Revenue No.	Revenue Thana No.	District
1. Mirchai	378	Katihar
2. Daharia	98	Katihar
3. Durgapur	104	Katihar
4. Begana	83	Katihar
5. Tiarpura	82	Katihar
6. Saifgunj	103	Katihar
7. Begana	102	Katihar
8. Dalan	77	Katihar
9. Madhura	162	Katihar
10. Majheli	79	Katihar

[No. S 38013/55/95-SS. I]

J.P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1995

का.आ. 2672.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार भारत के राजपत्र असाधारण भाग-II खंड 3(ii) में दिनांक 8 जून, 1995 को प्रकाशित भारत सरकार श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 509 (अ.उ) दिनांक 8 जून, 1995 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना के में (खण्ड 4 के उपखण्ड (झ) के अन्तर्गत संसद द्वारा चयनित शीर्षक के तहत क्रम सं. 51 के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ी जायेगी अर्थात्:—

“कु. ममता बनर्जी,
संसद सदस्य (लोक सभा),
सी-4 एम एस प्लेटस,
बी.के.एस मार्ग,
नई दिल्ली।

स्थायी पता : 30 बी हरिण चैटर्जी मार्ग,
कलकत्ता-700026 (प. बंगाल)

[सं. यू-16012/2/95-एसएस-1]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 15th September, 1995

S.O. 2672.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 509(E), dated the

8th June 1995 published in the Gazette of India Extra Ordinary Part-II, Section 3(ii) dated the 8th June 1995.

In the said notification under the heading "Elected by the Parliament under Clause (i) of Section 4 against Serial No. 51, the following entries shall be inserted namely:—

"Kum. Mamta Banerjee,
Member of Parliament (LS),
C-4, M.S. Flate,
B.K.S. Marg,
New Delhi-110001.

Permanent Address.—30-B, Harish Chatterjee Street, Calcutta-700026 (West Bengal)".

[No. U-16012/2/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1995

का.ग्रा. 2673—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में बी.बी.सी.एल. का ब्लॉक-2 क्षेत्र के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के रजिस्ट्रार को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[मंख्या-एन-20012/408/93-आई.आर. (कोल-1)]
के.वी.सी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th September, 1995

S.O. 2673.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Block-II Area of M/s Bharat Coking Coal Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-1995.

[No. L-20012/408/93. IR(COAL)-I]
K.V.B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD.

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d)
of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 9 of 1995.

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Block-II Area of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha,
Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi, Advocate.
For the Workmen : None.

State Bihar.

Industry : Coal.

Dated, the 25th August, 1995.

AWARD

By Order No. 20012(408)/93-I.R. (Coal-I) dated 28-12-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the General Manager, Block II Area of M/s. BCCL, P.O. Nawagarh, Distt. Dhanba is denying to accept the date of appointment of S/Shri Ram Rakchcha Tiwary and 7 others as per annexure below for the purpose of counting their seniority is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

- (1) Shri Ram Rakchcha Tiwari.
- (2) Shri Jagdish Prasad Gupta.
- (3) Shri M.P. Madhu.
- (4) Shri Madan Prasad.
- (5) Shri C.S. Jha.
- (6) Shri Surayawali Tiwari.
- (7) Shri S.N. Bharat.
- (8) Shri M. N. Singh.

2. The dispute has been settled out of the Tribunal. A memorandum of settlement has been filed in this Tribunal. I have gone through the terms of settlement and I find those to be fair and reasonable. I allow the prayer and render the award in terms of the settlement. The memorandum of settlement shall form part of this award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Sec. 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

P. K. SINHA, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 1 AT DHANBAD

Ref. No. 9/95.

(Notification No. L-20012(408)/93/IR(Coal-1)
Dated 28-12-94).

Employer in relation to management of
Block-II Area of M/s. BCCL.

And

Their workmen.

Petition of compromise

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most shewth :—

- (1) That, the Central Govt. by the notification No. L-20012(408)/93/IR(Coal-1)/Dt. 28-12-94 has been pleased to refer the present case for adjudication to the Hon'ble Tribunal on the issue contained in the schedule of the reference which is re-produced below :—

“Whether the action of the General Manager, Block-II Area of M/s. BCCL, PO Nawagarh, Dist. Dhanbad in denying to accept the date of appointment of S/Shri Ram Rakchcha Tiwary and 7 others as per annexure below for the purpose of counting their seniority is justified ? If not to what relief are the concerned workmen entitled.”

- (2) That, during the pendency of the present reference, the case of Sri Tiwari

and 7 others were examined and found that they have been promoted to Grade 'B' from Gr. 'C' by office order dated 16/18-11-93 and their notional seniority in Grade 'B' has been indicated in the above office order, a copy of which is enclosed herewith which forms a part of this settlement.

- (3) That, in view of the above decision of the management, there remains nothing to be adjudicated.

It is, therefore prayed that an Award may be passed in terms of the settlement.

For the Workmen.

Sd/-

(R.R. TIWARY). For the Employers
Foreman/Member of Sd/-
Regional Committee, (S.K. GUPTA),
JCMU, Sd/-
Block-II Area. General Manager, B-II Ar.
Sd/-
(P.P. SINGH) (P.N. CHOUDHARY),
Area Secy. J.C.M.U. Personnel Manager,
Witness : PM, Block-II Area.
1. Sd/-Illegible

(NAWAGARH) DHANBAD

BHARAT COKING COAL LTD.

(A SUBSIDIARY OF COAL INDIA LTD.) OFFICE OF THE CHIEF GENERAL MANAGER & BL-II
CR-II AREA.

SF. No. CGM:B-II:PD/837/93

OFFICE ORDER

Dated, the 16th November, 1993

As per circular No. CII/CE-5B/PA- IV/4576 dated 9th August 93 of the Director (P & IR), CIL and on the recommendation of the committee constituted at the Area, the following Foreman, Tech. & Supvr. Gr. 'B' of Block-II Area who were initially appointed as Asstt. Foreman in Tech. & Supvr. Gr. 'C' and promoted in Tech. & Supvr. Area Gr. 'B' from the date as indicated against their names are hereby placed in Tech. & Supvr. Gr. 'B' notionally from the date they were confirmed in Tech. & Supvr. 'C' which is also indicated against their names. They will not be given the benefit of any back wages, but they would be eligible for notional fixation.

Sl.No.	Name	Trade	Since when in Gr. 'C'	Date of promotion in Grade 'B'	Effective of notional seniority in Gr 'B'	Unit
1.	S N. Bhagat,	Asst. Forman (Mech)	2-9-86	14-5-93	2-9-87	Benidih
2.	M. P. Madhu	-do-	4-9-86	-do-	2-9-87	Benidih
3.	M. N. Singh	-do-	4-9-86	-do-	4-9-87	JOCF
4.	C S. Jha	-do-	15-9-86	-do-	15-9-87	BOCP
5.	R. R. Tiwary	-do-	15-9-86	-do-	do-	Benidih
6.	Madan Prasad	-do-	16-9-86	-do-	16-9-87	NOCP
7.	J. P. Gupta	-do-	16-2-87	-do-	16-2-88	Benidih
8.	S. N. Singh	-do-	27-5-87	-do-	27-5-88	BOCP

This order will be effective from 20-8-93. This issues with the approval of the competent authority.

(Sd/ Illegible)

Area Personnel Manager, Block-II Area

गई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1995

का.आ. 2674.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हार्ड कोक इंडस्ट्रीज के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (गं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-9-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल20012/350/91 आई. आर. (कोल-I)]
के.वी.बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th September, 1995

S.O. 2624.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Hard Coke Industry and their workmen, which was received by the Central Government on 6-9-95.

[No. L-20012/350/91-IR (Coal-I)]
K.V.B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10 (1) (d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 33 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management
of M/s. Hard Coke Industries.

And

Their workmen.

PRESENT :

Shri P. K. SINHA, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—None

For the Workmen—None.

STATE : Bihar INDUSTRY : Hard Coke

Dated, the 30th August, 1995

AWARD

By Order No. L-20012(350)/91-I.R. (Coal-I), dated 4-1-1993 the Central Government in the Ministry has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the demand of Hard Coke Industries Karmachari Sangh for issuance of identity card, grant of 12 days casual leave and 10 days medical leave with full pay in a year, payment of bonus at the rate of 20 per cent for the Accounting year 1989-1990 & 1990-91, grant of night duty allowance to the workers of M/s. Mtro Briquette Plant is justified? If so, to what relief the workmen are entitled?”

2. The order of reference was received in this Tribunal on 9-2-93. Thereafter notice was issued to the sponsoring Union to file written statement on behalf of the workmen. Thereafter another notice was sent by registered post stipulating therein that if no written statement was filed by sponsoring Union on 28-12-94, a ‘no dispute’ award would be passed in the reference. But on 28-12-1994 a petition was filed on behalf of the sponsoring Union to grant time for filing written statement. Thereafter on four occasions none appeared on behalf of the sponsoring Union.

3. It, therefore, appears that neither the sponsoring Union nor the concerned workers are interested in prosecuting the reference or that they have ceased to have any dispute with the management.

Under such circumstances, I render a ‘no dispute’ award in the present reference.

P. K. SINHA, Presiding Officer

